सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 12 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 25 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भूपेश की घोषणाओं से भाजपा में पसरा सन्नाटा, प्रचार अभियान में भी पिछड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। एक के बाद एक चार घोषणाएं कर चुके मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा को हाशिए पर धकेल दिया है। भूपेश की घोषणाओं से भाजपा में सन्नाटा पसरा हुआ है। भले ही उसने अपने प्रत्याशी कांग्रेस से पहले घोषित किए हों, लेकिन प्रचार अभियान में कांग्रेस से काफी पीछे चल रही है। पार्टी के ही लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या भाजपा ने चुनाव लड़ने से पहले ही हार मान ली है? सक्ती में विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत की नामांकन रैली में पहुंचे सीएम भूपेश ने सोमवार को ऐलान किया था कि सरकार बनाने पर एक बार फिर से किसानों के सारे कर्ज माफ किए जाएंगे।

अबकी बार 75 पार का नारा देने वाली कांग्रेस ने भाजपा को चारों खाने चित्त कर दिया है। सीएम भूपेश चुनावी रैलियों में एक्टिव हो गए हैं। वे लगातार कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में जनसभाएं कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इस बार भी चुनावी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। पार्टी और उसके प्रत्याशियों की चुनावी तैयारियां भी शबाब पर है। इसके विपरीत भाजपा चुनाव तैयारियों के मामले में खामोश नजर आ रही है। अब तक उसके कार्यकर्ता भी चार्ज नहीं दिख रहे। अनेक जगहों पर तो पार्टी प्रत्याशियों को कार्यकर्ता जुटाना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं कांग्रेस में हालात अलग नजर आ रहे हैं। 2018 की तर्ज पर इस बार भी पार्टी के नेता से लेकर जमीनी कार्यकर्ता तक सब एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि भाजपा में टिकट वितरण को लेकर नाराजगी और गलत प्रत्याशी थोपने का आक्रोश साफतौर पर देखा जा सकता है। छत्तीसगढ़ में पहले चरण में कुल 20 सीटों के लिए वोटिंग होनी है। 7 नवम्बर को पहले चरण के लिए वोटिंग है, जिसके लिए ज्यादा वक्त अब नहीं बचा है।

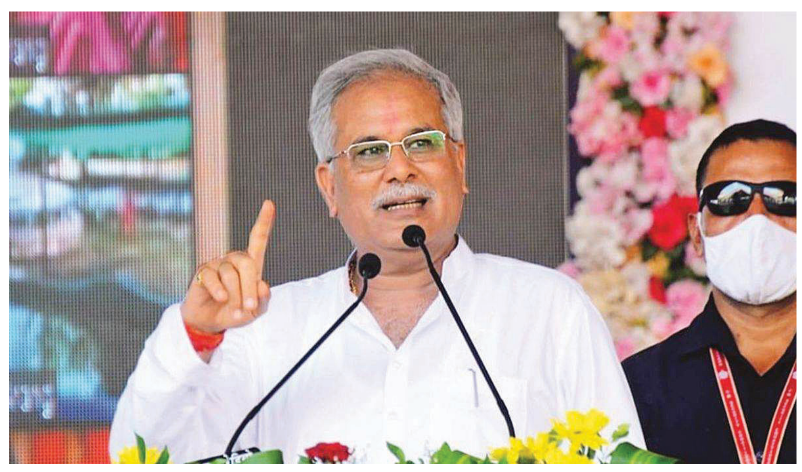

इन घोषणाओं ने बदली राजनीतिक फिजा

कांग्रेस पार्टी या सीएम भूपेश बघेल ने चुनावी मोड में आते ही अब तक कुल 4 घोषणाएं की है। इन घोषणाओं को लेकर छत्तीसगढ़ के मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह है। पार्टी की पहली घोषणा 17.5 लाख परिवारों को आवास देने की थी। इसके बाद दूसरी घोषणा में प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदने का वायदा किया गया। इसके बाद तीसरी घोषणा जातिगत जनगणना को लेकर की गई। वहीं सोमवार को सीएम भूपेश बघेल ने चौथी घोषणा किसानों की एक बार फिर कर्जमाफी को लेकर की। इससे पहले भूपेश बघेल व कांग्रेस पार्टी भाजपा पर किसान विरोधी होने के आरोप लगाते रहे हैं। भाजपा के पास इन आरोपों का कोई जवाब नहीं है।

केन्द्र पैसा दे या न दे, हम गरीबों को देंगे घर

सीएम भूपेश की दमदारी किसी से छिपी हुई नहीं है। छत्तीसगढ़ में जब पीएम आवासों को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार के बीच तनातनी बढ़ी तो श्री बघेल ने साफ तौर पर कह दिया कि केन्द्र सरकार पैसा दे या न दे, हम छत्तीसगढ़ के हर गरीब को घर बनाकर देंगे। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि इस चुनाव में कांग्रेस के मुद्दे क्या होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए भी चारों घोषणाओं या वायदों को दोहराया। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी ने किसानों को लेकर अब तक कोई घोषणा नहीं की है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार का पूरा फोकस गांव, गरीब और किसानों पर रहा है। इस बार के वायदे भी इसी पर केन्द्रित है।

कर्जमाफी का वायदा ब्रह्मास्त्र

2018 के चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी ने किसानों की कर्जमाफी का वायदा किया था। पार्टी को जो अभूतपूर्व बहुमत मिला, उसमें इस वायदे की बड़ी भूमिका रही। एक बार फिर सीएम भूपेश ने कर्जमाफी का ब्रह्मास्त्र छोड़ दिया है। सक्ती की सभा में उन्होंने पूरे जोश के साथ ऐलान किया कि यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो एक बार फिर किसानों के सारे कर्ज माफ किए जाएंगे। कांग्रेस और सीएम बघेल यह बताने से भी नहीं चूकते हैं कि किस तरह पूर्ववर्ती भाजपा की सरकार ने किसानों को बोनस देने का वायदा किया, लेकिन नहीं दिया। धान खरीदी को लेकर भी किसानों को अंधकार में रखा गया। श्री बघेल की चारों घोषणाओं का भाजपा के पास कोई तोड़ नहीं है।

लाखों किसानों को होगा फायदा

कांग्रेस ने अब तक अपना चुनावी घोषणा-पत्र जारी नहीं किया है, लेकिन इससे पहले घोषणाओं या वायदों की बाढ़ आ गई है। भाजपा इस पर सिर्फ प्रतिक्रिया देने तक ही सीमित है। माना जा रहा है कि सीएम की घोषणाएं आम आदमी से जुड़ी हुई है, इसलिए इसका व्यापक असर भी होगा। इसीलिए इसका ऐलान पहले ही किया जा रहा है। किसानों के कर्ज यदि एक बार फिर माफ किए जाते हैं तो इसका फायदा छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों को होगा। लेकिन भाजपा भी अपने घोषणा-पत्र का हवाला दे रही है। हालांकि भाजपा का घोषणा-पत्र भी अब तक जारी नहीं हुआ है। पार्टी के नेता यह दावा कर रहे हैं कि उनके घोषणा-पत्र में भी किसानों के लिए काफी कुछ है।

क्यों है धान खरीदी सबसे बड़ा मुद्दा

छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। राज्य में 60 प्रतिशत से अधिक आबादी खेती-किसानी से जुड़ी हुई है। राज्य में समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान बेचने वालों की पंजीकृत संख्या 24 लाख से अधिक है। पिछले सीजन में किसानों ने 107 लाख मीट्रिक टन धान बिक्री की है, जो राज्य निर्माण के बाद पहली बार हुआ। किसानों की संख्या बढ़ने के साथ धान की उपज बढ़ने के पीछे सरकार की तरफसे दिए जा रहे प्रति एकड़ 9 हजार रुपए सब्सिडी माना जाता है। इस पैसे को चार किश्तों में राज्य सरकार राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत देती है। इधर, कांग्रेस का दावा है कि भूपेश बघेल सरकार की योजनाओं से राज्य के 20 लाख किसान ऋणमुक्त हुए हैं, सिंचाई कर माफ हुए, लेकिन पूर्ववर्ती भाजपा की सरकार अपने ही वायदों से मुकर गई।

खास-खबर

असंतुष्टों की नाराजगी दूर करने कांग्रेस ने बदले चार प्रत्याशी

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में असंतुष्टों की नाराजगी दूर करने के लिए चार प्रत्याशियों को बदल दिया है। मौजूदा विधायक अजय सिंह कुशवाहा और मुरली मोरवाल को फिर से प्रत्याशी बनाया है। इन दोनों विधायकों के टिकट काटे गए थे। जमीन पर विरोध हुआ तो कांग्रेस नेतृत्व को प्रत्याशी बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने सभी 230 सीटों पर प्रत्याशी उतारने के बाद बुधवार को अपने चार प्रत्याशियों को बदल दिया। सुमावली से कुलदीप सिकरवार की जगह फिर से विधायक अजब सिंह कुशवाहा को टिकट दिया है। बड़नगर से राजेन्द्र सिंह सोलंकी की जगह विधायक मुरली मोरवाल पर भरोसा जताया है। इसके अलावा पिपरिया से गुरुचरण की जगह वीरेंद्र बेलवंशी और जावरा में हिम्मत श्रीमाल की जगह वीरेंद्र सोलंकी को प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस ने दूसरी सूची में तीन प्रत्याशियों को बदला था। दतिया में अवधेश नायक का टिकट बदलकर राजेंद्र भारती को मैदान में उतारा। यहां भाजपा की तरफसे गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा प्रत्याशी है। पिछोर में शैलेंद्र सिंह का टिकट काटकर अरविंद सिंह लोधी और गोटेगांव से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति का टिकट काटने के बाद उन्हें दोबारा प्रत्याशी बनाया था। यहां कांग्रेस ने पहले शेखर चौधरी को प्रत्याशी बनाया था।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव-2023

पहले चरण में 223 धुरंधर करेंगे दो-दो हाथ, 30 उम्मीदवारों ने लिया नाम वापस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 223 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में प्रथम चरण के 20 विधानसभा क्षेत्रों में नाम वापसी के बाद अब 223 उम्मीदवार मतदाताओं के बीच जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहले चरण के लिए आज नामांकन वापसी के अंतिम दिन कुल 30 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया।

अधिकारियों ने बताया कि राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र से सबसे अधिक छह उम्मीदवारों ने नाम वापस लिये हैं। पहले चरण के विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन पत्रों की छंटनी के बाद कुल 253 उम्मीदवारों के नामांकन विधिमान्य पाए गए थे। प्रथम चरण में नामांकन के अंतिम दिन 20 अक्टूबर तक कुल 294 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था।

अधिकारियों ने बताया कि अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र से 13, भानुप्रतापपुर से 14, कांकेर से नौ, केशकाल से 10, कोंडागांव से आठ, नारायणपुर से नौ, बस्तर से आठ, जगदलपुर से 11, चित्रकोट से सात, दंतेवाड़ा से सात, बीजापुर से आठ, कोंटा से आठ, खैरागढ़ से 11, डोंगरगढ़ से 10, राजनांदगांव से 29, डोंगरगांव से 12, खुज्जी से 10, मोहला-मानपुर से नौ, कवर्धा से 16 तथा पंडरिया से 14 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

छत्तीसगढ़ में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए सात और 17 नवंबर को मतदान होने हैं। पहले चरण में 20 तथा दूसरे चरण में 70 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होंगे।

भाजपा के हाथों फिसलता गया बड़ा वोट-बैंक

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। छत्तीसगढ़ में पहले चरण में जिन 20 सीटों पर मतदान होना है, इन्हीं सीटों को सत्ता तक पहुंचने की राह माना जाता है। पहले चरण में 7 नवम्बर को मतदान होना है और सभी पार्टियां जोर-शोर से चुनाव प्रचार कर वोटर्स को लुभाने की कोशिश कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदाय को जीत के लिए अहम माना जाता है, क्योंकि राज्य में करीब 32 फीसदी आदिवासी जनसंख्या है, इसलिए ऐसा माना जाता है कि इस समुदाय के बिना छत्तीसगढ़ में सरकार बनाने मुश्किल है। यही कारण है कि बीजेपी और कांग्रेस समेत सभी पार्टियां आदिवासी समुदाय को अपने पक्ष में लेने की कोशिश कर रही हैं।

विधानसभा चुनाव-2023
चुनाव

पुराने चुनावों के परिणाम बताते हैं कि राज्य में हर चुनाव में आदिवासी वोटर्स जिसके साथ रहे हैं उन्हें सस्ता मिली है। 2018 के पिछले चुनाव में आदिवासी सीटों पर हारने की वजह से बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा था। इसीलिए इस बार बीजेपी आदिवासी वोटर्स पर विशेष ध्यान दे रही है। चुनावी विशेषज्ञों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा ने हाल ही में आदिवासी इलाकों में रैलियां की। साथ ही आदिवासी इलाकों से दो परिवर्तन यात्राओं की शुरूआत आदिवासी समुदाय को अपने पक्ष में करने की कोशिश है। बता दें कि 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा में 29 सीटें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं।

2018 में कांग्रेस ने लगाई आदिवासी वोटों में सेंध

2018 में कांग्रेस ने बीजेपी के 15 साल पुराने किले को ध्वस्त कर दिया और 90 में से 68 सीटें जीतकर सरकार बनाई। इस चुनाव में बीजेपी को सिर्फ 15 सीटें मिलीं। जबकि जेसीसी (जे) और बसपा को क्रमश: पांच और दो सीटें हासिल हुईं। 2018 में 29 आरक्षित सीटों में से कांग्रेस ने 25 जीत ली जबकि बीजेपी सिर्फ तीन सीटें ही जीत पाई। वहीं जेसीसी (जे) ने एक सीट पर जीत हासिल की।

बीजेपी के हाथ से निकला छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में परिसीमन के बाद आदिवासियों के लिए 29 सीटें आरक्षित की गई। 2008 के चुनाव में बीजेपी ने एक बार फिर से 29 में से 19 सीटों पर जीत हासिल की और कुल 50 सीटें जीतकर सरकार बना ली। इस चुनाव में कांग्रेस को 10 आदिवासी सीटों पर जीत मिली। इसके बाद 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने आदिवासी वोटों में सेंध लगा ली और कांग्रेस को 29 आदिवासी सीटों में से 18 पर जीत हासिल की। हालांकि कांग्रेस सरकार बनाने में विफल रही। बीजेपी ने 11 आदिवासी सीटों पर जीत हासिल की और कुल 49 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई।

पिछले चुनाव में कांग्रेस ने जीती थीं 25 आरक्षित सीटें

बता दें कि 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने आदिवासी वर्ग की आरक्षित सीटों में से 25 पर जीत दर्ज की थी और सरकार बनाई थी। इस बार भी कांग्रेस को जीत की उम्मीद है। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि राज्य में आदिवासी मतदाता चुनाव जीतने में अहम भूमिका निभाते हैं। वर्ष 2000 में राज्य बनने के बाद 2003 में पहली बार चुनाव हुआ, जिसमें बीजेपी ने उन आदिवासियों के बीच जगह बनाई जो कभी कांग्रेस के कट्टर समर्थक माने जाते थे। उसके बाद हुए चुनावों में बीजेपी की पकड़ आदिवासियों पर कमजोर होती गई और पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। 2003 के चुनाव में 90 में से 34 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित थीं, जिनमें से बीजेपी ने 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी और डॉ. रमन मुख्यमंत्री बने थे। राज्य में बीजेपी ने तब कुल 50 सीटों पर बहुमत पाया था। वहीं कांग्रेस सिर्फ 9 आदिवासी सीटें जीत पाई और हार गई।

यूएन में कश्मीर पर बोलकर बेइज्जत हुआ पाक, भारत बोला- हमें मुंह नहीं लगना

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी UNSC की बैठक में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर आमने-सामने आ गए। हालांकि, इस दौरान भारत ने पाकिस्तान की बात को 'तवज्जो' देना ठीक नहीं समझा और जवाब देने से साफ इनकार कर दिया। UNSC में मध्य पूर्व के हालात को लेकर हाल ही में बड़ी चर्चा हुई है। मंगलवार को पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने कश्मीर का मुद्दा उठा दिया। इसपर भारतीय पक्ष से मौजूद आर रवींद्र नाराज हो गए। उन्होंने कहा, 'एक प्रतिनिधि ने आदतन उन केंद्रशासित प्रदेशों का जिक्र किया जो हमारे देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं इन टिप्पणियों को उतनी ही तवज्जो दूंगा, जितनी उन्हें दी जानी चाहिए और समय को ध्यान में रखते हुए इसका जवाब नहीं दूंगा।'

अमेरिका ने किया मुंबई का जिक्र

इससे पहले, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि सभी तरह के आतंकवादी कृत्य गैर-कानूनी और अनुचित हैं, चाहे उन्हें लश्कर-ए-तैयबा ने मुंबई में लोगों को निशाना बनाकर अंजाम दिया हो या हमास ने किबुत्ज बेरी में लोगों को निशाना बनाया हो। 7 अक्टूबर को शुरू हुआ हमास और इजरायल के युद्ध में 5 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। उन्होंने कहा, 'जैसा कि इस परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बार-बार कहा है कि आतंकवाद के सभी कृत्य गैरकानूनी और अनुचित हैं। ये गैरकानूनी और अनुचित हैं, फिर चाहे नैरोबी में लोगों को निशाना बनाया गया हो या बाली में... ये हमले इस्तांबुल में हुए हों या मुंबई में, न्यूयॉर्क में हुए हों या किबुत्ज बेरी में। उन्होंने कहा, 'ये गैरकानूनी और अनुचित हैं, चाहे उन्हें आईएसआईएस ने अंजाम दिया हो या बोको हराम, अल शबाब, लश्कर-ए-तैयबा या हमास ने अंजाम दिया हो।'

रमन की इस बात में दम तो है, लेकिन...

श्रीकंचनपथ

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने सवाल किया है कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार आते ही किसानों का कर्ज माफकर दिया गया था। अब पांच साल में ऐसा क्या हो गया कि दोबारा किसानों का कर्ज माफकरने की नौबत आ गई। साथ ही उन्होंने कहा कि भूपेश अब गरीबों के लिए 17 लाख आवासों का वायदा कर रहे हैं। इन्हीं आवासों के लिए विधानसभा का घेराव करने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठियां बरसाई थीं। इनमें से पहला सवाल अच्छा है। क्या खेती किसानी वास्तव में इतने जोखिम का काम है कि किसान को बार-बार कर्ज लेने की जरूरत पड़ती है? आखिर क्यों ऐसा होता है कि खुशहाल किसान कर्ज नहीं पटा पाता। तगादों से घबराकर विभिन्न प्रांतों में किसान आत्महत्या करते रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कर्जमाफी की योजना का लाभ केवल बड़े किसानों को मिलता है। इसका उपयोग उन्नत कृषि को अपनाने, कृषि उपकरणों को खरीदने के लिए किया जाता है। कृषि में हो रहे परिवर्तन भी निवेश मांगते हैं। इनका लाभ मिलते-मिलते ही मिलता है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि अधिकांश किसान कृषि ऋण लेकर अपने शौक पूरे करते हैं। कर्ज की तीन चौथाई राशि वे दीगर मदों में खर्च कर डालते हैं। कृषि की कमाई से इसे लौटाना संभव नहीं होता। इसलिए साल दर साल वह कर्जदार बना रहता है। उनका यह भी मानना है कि कर्जमाफी की बजाय सरकारों को किसानों की समस्या का स्थाई समाधान ढूंढना चाहिए। इस लिहाज से पूर्व मुख्यमंत्री का सवाल सही लगता है। पर यह पूरा सच नहीं है। कर्जमाफी का एक लंबा इतिहास है। सबसे पहले 1990 में वीपी सिंह सरकार ने देश भर के किसानों का कर्ज माफकर दिया था। इसके बाद साल 2008-09 के बजट में मनमोहन सिंह सरकार ने पूरे देश में किसानों के करीब 71 हजार करोड़ रुपए माफकरने का फैसला लिया था। इसके बाद यूपीए आसानी से सत्ता पर काबिज हो गई थी। इसके बाद कर्जमाफी का वादा राजनीतिक दलों के लिए सत्ता पाने का ब्रह्मास्त्र बन गया। साल 2014 से लेकर अबतक करीब दस राज्य सरकारें किसानों की कर्जमाफी का एलान कर चुकी हैं। वित्तीय मामलों के जानकारों का मानना है कि कृषि ऋण देने के तौर तरीकों में बदलाव किये जाने की जरूरत है। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कर्ज की राशि का उपयोग कृषि कार्यों के लिए ही किया जा रहा है। इससे किसानों पर कर्ज का बोझ कम होगा और वे आसानी से ऋण चुका पाएंगे। अन्यथा वह हमेशा कर्जमाफी की बाट जोहते रहेंगे, जो किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं है। रमन सिंह ने एक मामला गरीबों के आवास का भी उठाया है। इन आवासों में केन्द्र और राज्य सरकार की 60 :40 की भागीदारी होती है। राज्य और केन्द्र की प्राथमिकताएं अलग हो सकती हैं। एक ही कार्यकाल में सबकुछ संभव नहीं होता।

संपादकीय

सियासत में अफसर

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के लंबे समय से निजी सचिव रहे आईएएस अधिकारी वी के पांडियन द्वारा स्वैच्छिक रिटायरमेंट लेकर सरकार का हिस्सा बनने की खबर जिस वक्त सुर्खियों में आई, लगभग उसी समय मध्य प्रदेश में डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे का इस्तीफा मंजूर होने की सूचना भी मीडिया में साया हुई। निशा को विधानसभा चुनाव लड़ना है और अपने इस्तीफे की मंजूरी के लिए उन्होंने बाकायदा आला अदालतों का दरवाजा खटखटाया, क्योंकि राज्य सरकार उन्हें सेवा-मुक्त करने को तैयार न थी। विडंबना यह है कि जिस विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर उनके चुनावी मैदान में उतरने की अटकलें लगाई जा रही थीं, वहां से पार्टी किसी अन्य का नाम घोषित कर चुकी है। बहरहाल, पांडियन और निशा के इन फैसलों से कई सवाल खड़े होते हैं, जिन पर गंभीरता से गौर करने की जरूरत है। आखिर प्रशासनिक अमले में सियासत के प्रति इतना अनुराग क्यों बढ़ रहा है? ये जनसेवा से प्रेरित फैसले हैं या लोभ-क्षोभ की परिणति? यदि उन्हें राजनीति में इतनी ही दिलचस्पी थी, तो प्रशासन में इतने वर्ष खर्च क्यों किए? सनद रहे, संविधान-निर्माताओं ने विधायिका और कार्यपालिका से अलग-अलग अपेक्षाएं बांधी हैं। वैसे, यह कोई पहली बार नहीं है कि प्रशासनिक क्षेत्र के लोग सीधे राजनीति में कूद पड़े हैं, आजादी के वक्त से ही विभिन्न क्षेत्रों के लोग सरकार का हिस्सा बनते रहे हैं, और देश-समाज को इसका लाभ भी मिला है। मगर वे अपने-अपने क्षेत्र के माहिर लोग होते थे और उन्हें किसी बड़े राजनेता का करीबी होने मात्र का लाभ नहीं मिल जाता था। उनकी काबिलियत ने सरकारों को बाध्य किया कि वे उनसे साथ आने का आग्रह करें। फिर ऐसे उदाहरण विरले ही कायम भी होते थे। मगर पिछले कुछ दशकों में सत्ताधीशों और नौकरशाहों के गठजोड़ ने न सिर्फ राजनीति को विद्रूप किया है, बल्कि शासन-प्रशासन में भ्रष्टाचार की जड़ें इसके कारण गहरी हुई हैं। खासकर पिछले दरवाजे से सत्ता में पहुंचने की सहूलियत ने इस दुरभिसंधि को मजबूत किया है। ऐसे में, निशा ने जो रास्ता अख्तियार किया है, उसे औचित्यपूर्ण ठहराया जा सकता है, क्योंकि उन्होंने जनता के बीच जाकर सत्ता-सदन में प्रवेश का मार्ग चुना। फिर भी यह सवाल पूछा ही जाएगा कि क्या वर्षों से जनसेवा में जुटे स्थानीय कार्यकर्ताओं पर नौकरशाहों की वरीयता लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप है? निस्संदेह, हमारा संविधान तय मानदंडों के तहत अपने हरेक नागरिक को अवसर की स्वतंत्रता देता है, और इस लिहाज से अफसरों के राजनीति में आने में कुछ गलत नहीं है, मगर इन दिनों जिस तरह नौकरशाहों में कृपापात्र बनने और पुरस्कृत होने की प्रवृत्ति गहराती जा रही है, उसमें पांडियन जैसी तरक्की दीगर महत्वाकांक्षी अफसरों को सत्ताधीशों से सांठ-गांठ के लिए प्रेरित करेगी। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि देश की प्रशासनिक संस्थाएं किस कदर साख के संकट से जूझ रही हैं? उनके बारे में राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करने की धारणा ठोस होने लगी है। यह न तो देश के हित में है और न लोकतंत्र के। ऐसे में, पांडियन और निशा जैसे उदाहरणों से नौकरशाही की विश्वसनीयता को और खरोंचें आएंगी। इसलिए, देश को सचमुच प्रशासनिक सुधार की जरूरत है, ताकि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका से संविधान ने जो उम्मीदें पाली हैं, उन पर वे खरी उतर सकें और हम आदर्श लोकतंत्र के रूप में दुनिया के लिए नजीर बनें।

> “ यह कोई पहली बार नहीं है कि प्रशासनिक क्षेत्र के लोग सीधे राजनीति में कूद पड़े हैं, आजादी के वक्त से ही विभिन्न क्षेत्रों के लोग सरकार का हिस्सा बनते रहे हैं, और देश-समाज को इसका लाभ भी मिला है। मगर वे अपने-अपने क्षेत्र के माहिर लोग होते थे और उन्हें किसी बड़े राजनेता का करीबी होने मात्र का लाभ नहीं मिल जाता था। उनकी काबिलियत ने सरकारों को बाध्य किया कि वे उनसे साथ आने का आग्रह करें। फिर ऐसे उदाहरण विरले ही कायम भी होते थे।

सबसे बिगाड़ की नीति!

देर-सबेर भारतवासियों को नरेंद्र मोदी सरकार के कनाडा के 41 राजनयिकों को देश से निकालने के फैसले पर अडिग रहने के परिणामों पर अवश्य ही विचार करना होगा। कनाडाई राजनयिकों के लौटने के बाद अमेरिका और ब्रिटेन की तीखी प्रतिक्रिया पश्चिमी खेमे से भारत के बढ़ते दुराव का संकेत देती है। मुद्दा यह है कि क्या इस वक्त पर इस खेमे से ऐसा टकराव भारत के दीर्घकालिक हित में है? कुछ समय पहले तक भारत सरकार के रणनीतिकार कहते थे कि एक समय देश निगुर्टता- यानी किसी भी महाशक्ति की तरफ झुकाव ना रखने की नीति (नॉन-एलाइंग्ड) पर चलता था, जबकि मोदी सरकार सबके साथ रिश्ता रखने (ऑल-एलाइंग्ड) की राह पर चल रही है। मगर कुछ महीनों के भीतर चीजें इस तरह बिगड़ी हैं कि अब भारत सबसे टकराव मोल लेता नजर आ रहा है। बेशक चीन-पाकिस्तान से रिश्तों में कड़वाहट की लंबी पृष्ठभूमि है। ऐसे में उपयुक्त नीति यह मानी जाती थी कि पास-पड़ोस के अन्य देशों को भारत उन दोनों के पाले में ना जाने दे। जबकि हाल में श्रीलंका, नेपाल, भूटान और मालदीव ने जिस तरह चीन के साथ जुड़ाव बढ़ाया है, उससे नहीं लगता कि भारत सरकार पास-पड़ोस में कोई प्रभावी विदेश नीति अपना रही है।

उधर हमास के हमलों के बाद पहले भारत सरकार ने पूरी तरह इजराइल के पक्ष में खड़े होकर और फिर अरब एवं खाड़ी देशों में हुई आलोचना के बाद फिलिस्तीन के पक्ष में अपनी परंपरागत नीति जता कर दोनों तरफ भ्रम बना दिया है। इन घटनाक्रमों के बीच कूटनीति विशेषज्ञों के लिए यह समझना कठिन हो गया है कि भारत कहां खड़ा है और वैश्विक मामलों में उसकी क्या सोच है? अमेरिका-ब्रिटेन की प्रतिक्रिया को इसी प्रश्न के आईने में देखा जाना चाहिए। उनसे भी दुराव कर अकेले पड़ने की यह नीति कतई देश के हित में नहीं है। भारत सरकार की अगर यह गणना है कि अपनी चीन संबंधी चिंताओं के कारण पश्चिम हर हाल में भारत पर अपना दांव लगाए रखेगा, तो कहा जा सकता है कि इस सोच का ठोस आधार नहीं है। इसलिए मौजूदा नीति पर पुनर्विचार जरूरी हो गया है।

पश्चिमी खेमे में फूट ?

यूरोपीय राजनयिक परेशान हैं। उनके मुताबिक अपने मौजूदा रुख से पश्चिम ने विकासशील दुनिया में अपना नैतिक बल खो दिया है। ये देश पूछ रहे हैं कि जो दलील पश्चिम यूक्रेन के मामले में दे रहा था, गाजा में उनका आचरण उसके विपरीत क्यों है?

हमास के हमलों के बाद अमेरिका के जो बाइडेन प्रशासन ने फिलस्तीन विवाद में इजराइल को संपूर्ण समर्थन देने की नीति अपनाई है। जी-7 के सदस्य देशों के अलावा ज्यादातर यूरोपीय सरकारें भी अपने चिर-परिचित स्वभाव के मुताबिक बिना कोई सवाल उठाए अमेरिका के पीछे चली हैं। उन्होंने गाज़ा में इजराइल की अंधाधुंध कार्रवाइयों की कोई ठोस आलोचना नहीं की है। लेकिन अब संकेत हैं कि इस रुख पर उन देशों में फूट पड़ रही है। पहले एक ब्रिटिश वित्तीय अखबार ने अपनी एक लंबी रिपोर्ट में बताया कि यूरोपियन यूनियन के राजनयिक इस नीति से परेशान हैं। उन्होंने राय जताई है कि अपने मौजूदा रुख से अमेरिका और यूरोप ने विकासशील दुनिया में अपना नैतिक बल खो दिया है। उनके मुताबिक उन्होंने बड़ी मुश्किल से कई विकासशील देशों को यूक्रेन के मामले में रूस के खिलाफ लामबंद किया था। मगर अब वे देश पूछ रहे हैं कि जो दलील पश्चिम यूक्रेन के मामले में दे रहा था, गाज़ा में उनके उलट आचरण क्यों कर रहा है?

> “ तेलंगाना में जमीनी स्थिति इतनी तेजी से कैसे बदल गई? कांग्रेस यहां बीआरएस के खिलाफइतनी मजबूती से कैसे उभर आई? ध्यान रहे, 13 वर्षों तक चले आंदोलन के बाद केसीआर वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए। विडंबना यह है कि उनका शासन अब दशक भर टिकने में भी अक्षम लग रहा है। लगभग सभी चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों ने बीआरएस की तुलना में कांग्रेस पार्टी को बढ़त का संकेत दिया है।

बदलाव को तैयार दिखता तेलंगाना

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ तमिल पत्रकार

केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का विरोध करने वाले जब भी किसी बदलाव के पक्ष में बहस करते हैं, तो उनके सामने एक सवाल लगातार उठता है कि नरेंद्र मोदी के बाद कौन? यह एक सच्चाई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता ने उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ दिया है, इसलिए यह स्वाभाविक हैकि जो लोग बीच में हैं, वे यह सवाल साफ तौर पर उठाएं। ऐसा लगता है कि तेलंगाना में मतदाताओं को कम से कम सत्तारूढ़ बीआरएस के खिलाफ एक जवाब मिल गया है।

बीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव, जो 2014 में इसकी स्थापना के बाद से तेलंगाना की राजनीति में हावी रहे हैं, पिछले साल तक लगभग अजेय से दिख रहे थे। वह अपने राजनीतिक भाग्य के प्रति इतने ज्यादा आश्वस्त थे कि उन्होंने अपनी पार्टी का नाम भी बदल दिया। उन्होंने टीआरएस यानी तेलंगाना राष्ट्र समिति के स्थान पर इसे बीआरएस या भारत राष्ट्र समिति कहना शुरू कर दिया। उनकी बढ़ती महत्वाकांक्षा ने उन्हें अपने बेटे के टी रामा राव के हाथों में राज्य की सत्ता देकर राष्ट्रीय राजनीति के लिए तैयार होने को प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में अपने आगमन की घोषणा करने के लिए राष्ट्रीय मीडिया में पूरे-पूरे पेज का विज्ञापन दिया

बहरहाल, उनकी पार्टी अब बचाव की मुद्रा में दिख रही है और उसके नेता कांग्रेस पार्टी पर अंधाधुंध हमले बोल रहे हैं और लोगों के बीच अभियान चला रहे हैं। केसीआर के नाम से लोकप्रिय के चंद्रशेखर राव ने एक चुनावी रैली में यहां तक कह दिया कि यदि आप कांग्रेस पार्टी को वोट देते हैं, तो यह राज्य में किसान समुदाय के लिए मौत की घंटी बजने जैसा होगा।

आखिर, तेलंगाना में जमीनी स्थिति इतनी तेजी से कैसे बदल गई? कांग्रेस यहां बीआरएस के खिलाफइतनी मजबूती से कैसे उभर आई? ध्यान रहे, 13 वर्षों तक चले आंदोलन के बाद केसीआर वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए। विडंबना यह है कि उनका शासन अब दशक भर टिकने में भी अक्षम लग रहा है। लगभग सभी चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों ने बीआरएस की तुलना में कांग्रेस पार्टी को बढ़त का संकेत दिया है। कांग्रेस यहां भाजपा को पछाड़ती दिख रही है, जो खुद को राज्य की राजनीति में अगली पसंद के रूप में देखती है। यह बदलाव कैसे आया? यह कहना जल्दबाजी होगी कि केसीआर द्वारा बनाया गया राजनीतिक साम्राज्य ढह गया है, क्योंकि मतदान में अभी एक माह का समय है। मतदाताओं का मूड वास्तव में कुछ और हो सकता है, पर अब तक कांग्रेस मजबूती से खड़ी दिख रही है।

दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस का पुनरोद्धार इस धारणा पर आधारित लगता है कि उसे लोकहित के वादों का लाभ मिल सकता है। बीआरएस के खिलाफ जो भी नाराजगी होगी, उसका लाभ भी कांग्रेस पार्टी की झोली में गिर सकता है। इस बार यह भी आशंका है कि बीआरएस चुनाव में भाजपा के साथ तालमेल बिठाती नजर आ सकती है। हालांकि, बीआरएस और भाजपा, दोनों ही राजनीतिक दल ऐसी बन रही धारणा को दूर करना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि यह धारणा उनके पक्ष में काम नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में अपनी हालिया चुनावी रैली के दौरान आरोप लगाया कि केसीआर उनके साथ दोस्ती करने की कोशिश में थे, उन्होंने सुझाव दिया कि बीआरएस भाजपा के साथ गठबंधन के लिए तैयार है, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया।

आखिर वे कौन-कौन से कारक हैं, जो बीआरएस के खिलाफ काम करते लगते हैं? सबसे पहले तो ऐसा लगता है कि बीआरएस अलग-थलग पड़ गई है और वह अपने समर्थकों से दूर हो गई है। एक समय सड़क पर हरदम उपलब्ध रहने वाले लोकप्रिय नेता अब अच्छी तरह से संरक्षित, चारदीवारी वाले बंगले में रहते हैं। याद कीजिए, राहुल गांधी उस समय निशाने पर आ गए थे, जब उन्होंने आम लोगों से कहा था कि केसीआर अब आपके लिए सुलभ नहीं हैं।

दूसरी ओर, केसीआर के बेटे और बेटी, रामा राव और कविता, और उनके दो भतीजे, हरीश और संतोष, उनके साथ मिलकर राज्य में सत्ता की डोर संभालते हैं। यहां परिवारवाद इतना स्पष्ट है कि राहुल गांधी, जो स्वयं एक वंशवादी हैं, को तेलंगाना की एक रैली में यह कहने का साहस हुआ कि ‘राज्य (तेलंगाना) में एक परिवार का शासन है’।

हालांकि, दोनों राजनीतिक पार्टियों के एक-दूसरे के खिलाफ प्रचार करने के तरीकों में बड़ा अंतर है। कांग्रेस पार्टी ने अपने कर्नाटक मॉडल को दोहराने का फैसला किया है और इसलिए उसने छह गारंटियों की घोषणा की है, जिनको वह सत्ता में आने पर पूरा करेगी। इनमें मुफ्त बस यात्रा, मासिक वजीफा और महिला मतदाताओं को मुफ्त गैस और बंटाईदार किसानों सहित किसानों को कृषि सब्सिडी शामिल है, वहीं बीआरएस ने किसानों के लिए कई बड़ी सिंचाई योजनाओं और नकद राहत की घोषणा की थी, इसे अमीर किसानों और उच्च जाति के लोगों के पक्ष में अधिक देखा गया, जो केसीआर के समर्थन आधार की रीढ़ रहे हैं। मगर ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी ने सीमांत कृषक समुदायों को लुभाकर बीआरएस के पैरों तले से गलीचा ही खींच लिया है।

इन चुनावी मुद्दों के अलावा तेलंगाना की राजनीति में बदलाव की लगातार इच्छा भी एक विशेषता है। जब 1980 के दशक में कांग्रेस का शासन बिगड़ने लगा था, तब तेलुगु जनता ने एक फिल्म स्टार एन टी रामाराव को चुना। जब एनटीआर अपना रास्ता भटक रहे थे, तब तख्तापलट हुआ और उनके दामाद चंद्रबाबू नायडू ने सत्ता संभाल ली, लेकिन जब उन्होंने ग्रामीण लोगों की अनदेखी की, तो वह कांग्रेस के वाईएसआर रेड्डी से हार गए। वाईएसआर के निधन के बाद कांग्रेस खुद को कायम नहीं रख सकी और केसीआर ने इस शून्य को भर दिया। अब जब केसीआर अपने वादों को पूरा करने में विफल हो रहे हैं, तो मतदाता कांग्रेस पार्टी को वापस लाने की तैयारी करने लगे हैं।

अब तक के चुनावी रुझानों से ऐसा लगता है कि मतदाताओं को कांग्रेस के रूप में एक विकल्प मिल गया है, पर अभी भी एक महीना है, क्योंकि तेलंगाना में मतदान 30 नवंबर को होगा और गिनती 3 दिसंबर को होगी। कहा जाता है, राजनीति में एक सप्ताह भी बहुत लंबा समय होता है। आगे जो भी हो, तेलंगाना की राजनीति एक दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

खुदकुशी रोकने के उपायों पर कब टूटेगी चुप्पी

हर्ष मारीवाला, जन-स्वास्थ्य से जुड़े उद्यमी

आत्महत्या जैसे विषय पर बात करना आसान नहीं। इस खामोशी को बनाने में दुख, दर्द और सामाजिक कलंक ने खूब मदद की है। इससे इस समस्या से पार पाने की दिशा में काम करना कठिन हो जाता है। चूंकि इस चुप्पी से आंखें मूंदना सभी के लिए आसान होता है, इसलिए यह अपने देश में चिंताजनक रूप से बढ़ भी रही है। मगर मेरा मानना है कि भारत में आत्महत्या की रोकथाम को प्राथमिकता देने का वक्त आ गया है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक तमाम लोगों की सुगम पहुंच हो। इन दोनों के बीच तालमेल न सिर्फ आवश्यक है, बल्कि हमारी नैतिक अनिवार्यता भी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में देश में 1.6 लाख लोगों ने खुदकुशी की। यह संख्या पिछले दशक में तेजी से बढ़ी है, जबकि आत्महत्या की हर घटना में करीब 60 लोग किसी अपने के जाने से प्रभावित होते हैं, और लगभग 20 ऐसे होते हैं, जो बाद में खुदकुशी का प्रयास करते हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि ऐसे मामलों के दर्ज न हो पाने और सामाजिक कलंक के कारण इन आंकड़ों से समस्या की गहराई का वास्तविक आकलन नहीं हो पाता।

ऐसे में, मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो निवेश करते हैं, उनका ध्यान भी खुदकुशी रोकने पर नहीं है। इसने मुझे आत्महत्या की रोकथाम और नीतिगत स्तर पर बदलाव लाने का एक वाहक बनने को प्रेरित किया। मेरा मानना है कि सबसे पहले, पहला सही कदम उठाना जरूरी है। असल में, किसी समस्या को समझना उसे हल करने की दिशा में पहला कदम है। मारीवाला हेल्थ इनीशिएटिव यानी एमएचआई के तहत हमारा प्रयास अनुसंधान और अंतर्दृष्टि-निर्माण का ही रहा है, जिसके परिणामस्वरूप 2021 में सूसाइड प्रीवेंशन: चेंजिंग द नैरेटिव नामक रिपोर्ट आई, जो इस बात पर केंद्रित है कि आत्महत्या की रोकथाम का काम कैसे होना चाहिए? यहां यह याद रखना ज्यादा जरूरी है कि खुदकुशी को कमोबेश व्यक्तिगत मामला माना जाता है, उसे ऐसी परिघटना नहीं समझा जाता, जिसे रोका जा सकता है। मीडिया इसे सनसनीखेज बनाकर पेश करता है, लेकिन शायद ही कभी ऐसा सामाजिक मुद्दा बताता है, जिसका समाधान सरकार, स्वास्थ्य तंत्र, गैर-लाभकारी संस्थाओं, कार्यस्थलों, मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों और समुदायों को मिल-जुलकर करना चाहिए। इस मामले में यह भी गौर करना जरूरी है कि हाशिये पर होने के कारण कुछ समुदायों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

दूसरा कदम है, आत्महत्या की रोकथाम के लिए मनो-सामाजिक दृष्टिकोण अपनाना, यानी ऐसी पहल करना, जिसमें परामर्श के माध्यम से मनोवैज्ञानिक सहायता दी जाए और रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं व शिक्षा जैसे सामाजिक लाभ तक सबकी पहुंच सुनिश्चित हो। इसके लिए जाहिर तौर पर नीतिगत बदलाव जरूरी है। साल 2021 में एमएचआई ने तमाम राजनीतिक दलों के सांसदों के साथ गोलमेज चर्चा आयोजित की थी और उनसे राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति पर जोर देने का अनुरोध किया था। इस पहल के कारण 2022 में भारत की पहली राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति (एनएसपीएस) जारी हुई। ‘यह एक ऐसे समाज की कल्पना करने वाला शक्तिशाली दस्तावेज है, जहां लोग अपने जीवन को महत्व देते हैं और जरूरत पड़ने पर उनको पर्याप्त सहायता भी दी जाती है।’ इस दस्तावेज में माना गया है कि खुदकुशी से निपटने के लिए अंतर-क्षेत्रीय सहयोग की दरकार होगी, इसलिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय जैसे विभागों की जिम्मेदारियां भी अहम हैं।

स्पष्ट है, भारत में आत्महत्या जैसी जटिल समस्या को हल करने और मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल तक लोगों की पहुंच को सुनिश्चित करने की दिशा में अब प्रयास करना ही होगा। हमें आत्महत्या को कलंक मानने जैसी धारणाओं को भी तोड़ना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल प्रत्येक भारतीय का अधिकार है। हमें इस बदलाव का वाहक बनने का अवसर गंवाना नहीं चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुतिन की नकल मध्यपूर्व का गहराता संकट

श्रुति व्यास

इजराइल-हमास युद्ध का 16वां दिन है। गाजा पट्टी मलबे और धुएं से अटी पड़ी है और धरती खून और आंसूओं से भीगी हुई। कुछ राहत सामग्री आनी जरूर शुरू हुई है लेकिन वह ऊंट के मुंह में जीरा है। इस बीच हमास ने 200 में से दो बंधकों को रिहा किया है। विदेशी नेताओं का इजराइल जाना जारी है। जो बाईडन और ऋषि सुनक के बाद जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज इजराइल गए लेकिन तीनों ही वहां युद्धविराम या मानवीयता की खातिर कुछ समय के लिए लड़ाई पर रोक या नागरिकों के लिए एक सुरक्षित क्षेत्र का निर्धारण-इनमें से कुछ भी हासिल नहीं कर सके।

बमबारी लगातार जारी है और दीर्घावधि की कोई योजना सामने नहीं आई है। बीबी (नेतन्याहू) जिद्द पर अड़े हुए हैं और बेरहमी बरतने की कसमें खा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फ्रांस समेत सभी देशों ने जंग रोकने और उत्तरी गाजा को खाली करने के इजराइल के आदेश को पलटने के बारे में प्रस्ताव के मसविदे का समर्थन किया। लेकिन अमेरिका ने उस पर यह कहते हुए वीटो किया कि इससे इजराइल के हाथ बंध जाएंगे। चौंकाने वाली बात यह रही कि यूके और रूस ने मतदान में भाग नहीं लिया।

इजरायली हमलों को रोकने के लिए हर संभव तरीके अपनाए जा रहे हैं क्योंकि डर है हिजबुल्लाह कहीं लेबनान में दूसरा मोर्चा न खोल दे। यमन की सीमा पर सैन्य टुकड़ियों की आवाजाही बढ़ रही है और अस्थिरता ईराक व सीरिया तक फैल गई है। अमेरिका द्वारा इजराइल को और हथियार दिए जाने के ऐलान से मुस्लिम दुनिया में नाराजगी है।

इसलिए मध्यपूर्व का संकट गहरा रहा है। फिलिस्तीन-समर्थक विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहे हैं और यहूदी-विरोध भी। इस बीच बाइडन सहित किसी को भी यह मालूम नहीं है कि हमास से निपटने के बाद बीबी की क्या योजना है। इजराइल की युद्ध केबिनेट ने ‘आपरेशन स्वार्ड ऑफ आयरन’ के चार लक्ष्य निर्धारित किए हैं- सैन्य शक्ति के रूप में हमास का खात्मा, गाजा से आतंकी हमलों के डर की समाप्ति, बंधकों की रिहाई और देश की सीमाओं और नागरिकों की रक्षा। लेकिन अधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि कौन-सा लक्ष्य पहले और कौन-सा बाद में हासिल किया जाना है, इस पर विवाद है। उनका कहना है कि गाजा पर दुबारा कब्जा करना का इरादा तो छोड़ दिया गया है लेकिन वहां से सेना की वापसी के बारे में कोई रणनीति नहीं है

सात अक्टूबर को पूरी दुनिया इजराइल के साथ थी। और आज भी आत्मरक्षा के उसके अधिकार का समर्थन करती है। लेकिन अरब देशों का यह तर्क भी ठीक है कि अस्पतालों और रहवासी इलाकों पर बमबारी, आवश्यक सेवाओं पर रोक और जानते-बूझते नागरिकों की जान लेना ठीक नहीं है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी युद्धविराम की मांग की है क्योंकि उसके बिना अल-अहली अस्पताल में हुए विस्फोट जैसी त्रासदियों को रोकना असंभव होगा। यह साफ नहीं है कि युद्ध समाप्त होने बाद जो समझौता होगा उसमें पश्चिमी देशों के नेताओं की क्या और कितनी भूमिका होगी। बाइडन और सुनक जिस तरह इजराइल का बिना शर्त समर्थन कर रहे हैं उसके चलते वे तो शांति समझौते में मध्यस्थ की भूमिका के लिए अपात्र हो गए हैं।

उधर अरब लीग, फिलिस्तीनी राष्ट्र के निर्माण पर बातचीत दुबारा शुरू करने की मांग कर रही है। किंतु इजराइल इसे पहले से भी ज्यादा अनसुना कर रहा है। बीबी अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने के प्रयास में जुटे हुए हैं और अपनी सत्ता और पद को बचाए रखने की हरचंद कोशिश कर रहे हैं। मारी समाचारपत्र द्वारा करवाए गए एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार 21 प्रतिशत इजरायली चाहते हैं कि नेतन्याहू युद्ध खत्म होने के बाद भी प्रधानमंत्री बने रहें।

हमास से जीतेगी भाजपा !

हरिशंकर व्यास

हां, इजराइल और दुनिया में भले नेतन्याहू का ग्राफ गिर रहा हो लेकिन भारत में हमास बनाम इजराइल की लड़ाई से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ग्राफ उछलता हुआ है। सोचे, टीवी चैनलों पर कैसा लगातार, चौबीसों घंटे हमास बनाम इजराइल की लड़ाई का प्रसारण है। लड़ाई वहा हो रही है और भारत के टीवी चैनल हिंदू बनाम मुस्लिम लड़ाई के पानीपत मैदान बने हुए है। कभी शरद पवार, सुप्रिया सुले, कांग्रेस, औवेसी के हवाले इंडिया एलायंस को तुष्टीकरण का झंडाबरदार बताना तो कभी इजराइल से लाइव प्रसारण से आंतकवादी बर्बरता के हवाले हिंदू दिल-दिमाग, भावनाओं में सुरक्षा की चिंताओं को जगाना।

जाहिर है 2024 के आम चुनाव से पहले के मौजूदा 2023 के विधानसभा चुनाव में हमास और उसकी आंतकी बर्बरता को घर-घर पहुंचाने का महाअभियान चला है। इसलिए क्योंकि मध्यप्रदेश, राजस्थान, छतीसगढ में लोगों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर बनवाना है। भाजपा का चुनाव मोटामोटी या तो नरेंद्र मोदी के चेहरे पर है या लाभार्थियों के घरों में यह मैसेज देने का है कि आपको फंला-फंला लाभ हुआ तो फर्ज है कि मोदीजी को वोट दे। मगर लाभार्थी का पहलू छतीसगढ़ व राजस्थान में ज्यादा नहीं चल सकता क्योंकि भूपेश बघेल और अशोक गहलोत ने लोगों को इतना बांटा है कि उनके आगे मोदी सरकार का बाटना फीका है। कांग्रेस ने चुनाव को ले कर जो वचनपत्र बनाया है वह भी आगे पूरा खजाना खोलना जैसा है। क्या गजब आईडिया जो भूपेश बघेल सरकार गांव वालों, किसानों से दो रू. किलों गौबर खरीद रही है। इसलिए रेवडियों और लाभार्थियों से पहले की तरह वोट मिलने का मामला खटाई में पडा लगता है। मध्यप्रदेश में लाडली बहन योजना के हवाले शिवराज सिंह चौहान का नाम है मगर लड़ाई क्योंकि मोदी के चेहरे पर है, लोकसभा चुनाव की बेकग्राउंड में है तो भाजपा को हिंदुओं की भावनाओं को ऊबालना है। भावनाओं को देश की सुरक्षा, आंतकवाद, विश्व गुरू, विश्व मित्र जैसे जुमलों की धुरी पर दौडाना है। और इसलिए विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे के साथ आंतकी हमास के पुराण पर मुस्लिम बनाम हिंदू के सियासी मैदान की टेस्टीग है। कांग्रेस वचनपत्र से लोगों को रूझाएगी वहीं भाजपा का मोदी के चेहरे से हल्ला बन रहा है कि उनका सखा, साथी, दोस्त नेतन्याहू कैसे उनसे सलाह कर हमास व आंतकियों को तबाह कर दे रहे है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

दशहरा का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

कोरबा। जिले के बालको नगर रामलिला मैदान में मगंलवार को दशहरा का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस दौरान बालको सीईओ ने रावण का पूतला दहन किया जहां बड़ी संख्या में लोग मैदान में उपस्थित रहे।अच्छाई की बुराई पर जीत का संदेश के साथ प्रत्येक विजय दशमी को रावण का पुतला दहन किया जाता है इसी कड़ी में बालको नगर के रामलीला मैदान में भी रावण का पूतला दहन बालको सीईओ द्वारा किया गया, जिले वासियों को दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए इंटक नेता जयप्रकाश यादव ने बताया की नवरात्र के पहले दिन दिन से ही रामलीला मैदान में राम जी के जीवन चरित्र की गाथा को रामलीला के माध्यम से नगर वासियों के प्रकट किया जाता है तथा दशमी को हर वर्ष की भांति रावण का पुतला दहन किया जाता है जो अच्छाई की बुराई पर जीत का संदेश देता है। आयोजन समिति के महासचिव रमेश जांगेड ने बताया की निरंतर 35 वर्षो से रामलीला मैदान बालको में रामलीला एवं दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता रहा है , वहीं आयोजन समिति द्वारा सुरक्षा की दृष्टि कोण से फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस जैसी सुविधा के इंतजाम किए गए है, इसके साथ ही पुलिस प्रशासन एवं बालको के सिक्युरिटी गाड्र्स द्वारा सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने में अपनी भूमिका अदा कर रहे है।कार्यक्रम को देखने आसपास के ग्रामीण इलाकों के साथ नगर वासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

व्यय प्रेक्षक एस ईश्वर ने संयुक्त जिला कार्यालय सी-विजिल एवं कमांड रूम का किया निरीक्षण

गरियाबंद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त व्यय प्रेक्षक आईआरएस एस ईश्वर ने आज संयुक्त जिला कार्यालय में स्थापित सी-विजिल एवं कमांड रूम का औचक निरीक्षण किया।उन्होंने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा की मौजूदगी में निर्वाचन में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए विकसित सी-विजिल मोबाईल एप्लीकेशन के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्री छिकारा ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत आचार संहिता अनुपालन की निगरानी और शिकायतों के निराकरण के लिए बनाए गए सी-विजिल ऐप के कार्यप्रणाली की जानकारी दी। कलेक्टर छिकारा ने बताया कि सी-विजिल के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं अन्य प्राप्त शिकायतों का टाइम लिमिट में निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है।

खिलाड़ियों ने लिया मतदान करने का संकल्प, लोगों को भी जागरूक करेंगे

भिलाई। विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान कराने के लिए भिलाई निगम ने क्षेत्र के अलग-अलग विधा से जुड़े लोगों को नवरात्रि में शत-प्रतिशत मतदान करने का संकल्प दिलाया। भिलाई नगर विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर इसे लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भिलाई के विभिन्न खेल मैदानों में निगम अमला पहुंचा। जहां खिला?ड़ियों को मतदान के लिए जागरूक किया गया। ?निगम कर्मियों ने कहा कि शत-प्रतिशत मतदान किया जाए। बिना भय, जाति, धर्म के भेद तथा बिना किसी दबाव और लालच के मतदान किया जाए। बताया गया कि 17 नवंबर को मतदान होना है। शहर के सभी मतदाता इस दिन जरूर मतदान करने पहुंचे।

बालको की पहल से महिलाएं बन रही हैं सशक्त एवं आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नवरात्रि का त्योहार स्त्रीत्व शक्ति और बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाने में निहित है। यह समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर देता है और पूज्य देवी-देवताओं की तरह चुनौतियों से उबरने की उनकी क्षमता को पहचानता है। नारियों को सशक्त बनाना नवरात्रि की भावना का केंद्र है जो बाधाओं को पार करने, समाज में बदलाव लाने और असमानताओं पर विजय पाने की उनकी शक्ति का उत्सव है। बालको सक्रिय रूप से महिलाओं को अवसर, कौशल और समर्थन के साथ सक्षम बना रहा है जो यह सुनिश्चित करता है कि वे न केवल बाधाओं को दूर करें बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरें। आत्मनिर्भर, दृढ़ संकल्प और सफलता की ये कहानियाँ नवरात्रि का प्रतीक हैं, जहाँ महिलाएँ चुनौतियों का सामना करके अपने भविष्य को उज्जवल बना रही हैं।

बालको में कार्यरत स्नातक प्रशिक्षु हिमांशी गुप्ता पॉटलाइन फ़ंक्शन में कार्य करती हैं, जो कंपनी के ऑपरेशन क्षेत्र में काम करने वाली कई महिला पेशेवरों में से एक हैं। ऑपरेशन क्षेत्र पुरुषों के लिए उपयुक्त है इस धारणा को पीछे छोड़ती हिमांशी ने संगठन को मजबूत किया है। स्मेल्टर में काम करने की बात सुनकर लोग पूछते हैं कि क्या मेरे आसपास कोई महिला सहकर्मी है। मेरा जवाब होता है कि एक नहीं बल्कि कई हैं। मुस्कुराते हुए वह आगे कहती हैं कि कई युवा लड़कियां और उनके माता-पिता विनिर्माण उद्योग में करियर बनाने, शिक्षा और नौकरी की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने में उत्सुकता व्यक्त करते हैं क्योंकि मैं उत्साहपूर्वक अपने काम के प्रति अपने जुनून को साझा करती हूं।

बालको में हेड-प्रोजेक्ट मैंनेजमेंट ऑफिसर के पद पर कार्यरत सुनीला एमवीएस न केवल बालको की विस्तार परियोजना की देखरेख करती हैं, बल्कि वह इंजीनियरों की एक टीम का मार्गदर्शन भी करती हैं जो उनके सहयोगी के रूप में कार्य करते हैं। वह कहती हैं कि प्रबंधकीय कौशल को लैंगिक सीमाओं तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। बालको में विविधता और समावेशन का अत्यधिक महत्व है जहां महिलाओं को समान अवसरों के साथ आगे बढ़ने का मौका मिलता है। मैं वर्तमान में एक महिला टीम का प्रबंधन करती हूं। एक प्रबंधक के रूप में मेरा लक्ष्य है कि मैं अपने युवा टीम के सदस्यों को उनके करियर में आगे बढ़ने और सफलता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए प्रेरित करूं।

बालको अपनी विभिन्न महिला केंद्रित सामुदायिक विकास परियोजनाओं के माध्यम से कंपनी के साथ-साथ समुदाय में महिला को नेतृत्व करने के लिए तैयार किया है जो महिलाओं को सशक्त बना रहा है।

दोंदरो, छत्तीसगढ़ की सारिका अपने समुदाय की कई लड़कियों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी हैं। वह माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के बारे में खुले मंच पर संवाद शुरू कर विभिन्न भ्रांतियों एवं बाधाओं को तोड़कर बदलाव की लहर का नेतृत्व करती हैं। समुदाय में एक पथप्रदर्शक के रूप में नेतृत्व करती सारिका को बालको की नयी किरण परियोजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है, जिसका उद्देश्य माहवारी संबंधी मिथकों और भ्रातियों को खत्म करना तथा माहवारी के दौरान स्वच्छता प्रथाओं को विकसित करना है। सुरक्षित प्रजनन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए व्यापक माहवारी स्वास्थ्य प्रबंधन (एमएचएम) क्षमता निर्माण से जुड़ा है। सारिका कहती हैं कि मैं सैनिटरी नैपकिन खरीदने या किसी से माहवारी के बारे में बात करने से नहीं कतराती। बालको की नयी किरण परियोजना मेरे लिए आशा की किरण लेकर आया है। आज मैं अपने आस-पास के सभी लोगों को माहवारी को समझने और स्वस्थ, सुखी जीवन के लिए स्वच्छ प्रथाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती हूं।

सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में 10वीं की छात्रा दिव्या अपने शिक्षक की तरह बनने की इच्छा व्यक्त करती हैं। जब उनसे पूछा गया कि ऐसा क्यों है? वह अपनी शिक्षिका उर्मिला की ओर देखकर मुस्कुराती हैं और कहती हैं कि जब मैम मुझे पढ़ाती हैं तो मुझे पढ़ना अच्छा लगता है। उर्मिला उन कई सरकारी शिक्षकों में से एक हैं जिन्हें सीखने के लिए अधिक अनुकूल माहौल बनाने के लिए बालको के प्रोजेक्ट कनेक्ट के तहत शिक्षाशास्त्र और व्यावहारिक-आधारित मॉडल सिखाने के लिए व्यापक रूप से प्रशिक्षित किया गया है।

अवसर आपका दरवाजा जरूर खटखटाता है बस आपको उस अवसर के अनुरूप अपनी क्षमता को पहले से विकसित करना पड़ता है। 22 साल की काजल ने बिल्कुल वैसा ही किया वह वेदांता स्किल स्कूल में इलेक्ट्रिकल ट्रेड में सबसे कुशल छात्रा में से एक है। स्किल स्कूल बालको की सीएसआर परियोजना है जो युवाओं को स्थायी आजीविका के लिए कौशल प्रदान करता है। काजल अपनी अन्य महिला सहपाठियों की तरह हर दिन मेहनत करती हैं जिनका लक्ष्य आत्मनिर्भर बनना है। वह कहती हैं कि किसान परिवार से होने के कारण मैंने अपनी आजीविका में अनिश्चितताएं देखी हैं। बालको की मदद से मेरे आत्मविश्वास को मजबूती मिली और सभी बाधाओं को पार किया। इलेक्ट्रिकल ट्रेड के कौशल प्रशिक्षण में कदम रखा जिसने मेरा जीवन बदल दिया है। परिवार अब आय के स्थिर स्त्रोत के लिए मुझ पर निर्भर है और मेरे समुदाय की लड़कियाँ भी स्वतंत्र बनकर अपने परिवार का समर्थन करने के लिए मुझसे प्रेरणा ले रही हैं।

बालको की 'छत्तीसा व्यंजन रेसिपी कार्यशालाओं' से लाभान्वित प्रतिभागी धनेश्वरी ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चॉकलेट बनाने और उसे बेचने की कला एवं कौशल सीखूंगी। कार्यशाला से चॉकलेट बनाने के कौशल ने मुझे और अन्य प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनाया, जिससे हस्तनिर्मित चॉकलेट बेचकर अतिरिक्त आय उत्पन्न करने में सक्षम बनाया है। आज मैं न केवल चॉकलेट उत्पादन और बिक्री में शामिल हूं बल्कि आजीविका के रूप में चॉकलेट बनाने की इच्छा रखने वाली अन्य महिलाओं को ट्रेनिंग देने का कार्य कर रही हूं। धनेश्वरी उन 5700 महिलाओं में से एक हैं, जिन्होंने वित्त वर्ष 2023 में उद्यमिता और स्थायी आजीविका के निर्माण के लिए बालको के प्रोजेक्ट उन्नति के तहत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

विजया दशमी पर पुलिस लाइन कोरबा में किया मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विजयादशमी पर पुलिस विभाग ने परंपरा के अनुसार पुलिस लाइन में शस्त्र पूजन किया। इसके लिए पुलिस लाइन में पहले से ही पूरी तैयारी कर ली गई थी। पुलिस लाइन में विभिन्न प्रकार के शस्त्रों को भी रखा गया था। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्धारित समय पर पहुंचने के साथ ही विधि विधान से शस्त्र पूजन किया गया।

हवन व आरती के पश्चात वहां उपस्थित पुलिस अधिकारियों व जवानों के अलावा अन्य गणमान्य नागरिकों को प्रसाद वितरित किया गया। इसके साथ ही पुलिस के अधिकारियों द्वारा पुलिस लाइन में ही हवाई फायरिंग की गई। शस्त्र पूजन के संबंध में कई किवदंती प्रचारित है। जानकारों की मानें तो भगवान रामचंद्र द्वारा लंका के राजा रावण का वध दशहरा के दिन किया गया था। इस जीत के बाद भगवान राम द्वारा असत्य पर सत्य को जीत दिलाने वाले शस्त्रों की पूजा की गई थी। इसी तरह वर्षों पहले से ही शस्त्रों की पूजन करने की परंपरा चली आ रही है। बताया जा रहा है कि शस्त्रों के पूजा के पीछे आमजन की सुरक्षा व शांति स्थापित करने की कामना होती है। भारत में भी वर्षो से यह परंपरा रही है कि अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग निर्बल व असहाय लोगों की सुरक्षा के साथ ही समाज में शांति व्यवस्था कायम रखने की जाए। यह परंपरा को पुलिस विभाग द्वारा आज भी निभाया जा रहा है। इसी के अनुसार सभी क्षेत्रों में विधिविधान के साथ मंत्रोच्चार करते हुए शस्त्रों की पूजा की जाती है। पुलिस लाइन में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय जितेंद्र शुक्ला , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय अभिषेक वर्मा, के अलावा नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का , उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मती प्रतिभा मरकाम , नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रॉबिंसन गुड़िया , एसडीओपी कटघोरा पंकज ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक यातायात शिवचरण सिंह परिहार, उप पुलिस अधीक्षक बेंडट्रिक मिंज ,उप पुलिस अधीक्षक आई.तिर्की , रक्षित निरीक्षक अनंत राम पैंकरा, डी एस बी प्रभारी कोरबा निरीक्षक सनत सोनवानी, नगर कोतवाल रूपक शर्मा, सिविल लाइन रामपुर प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पांडे, थाना प्रभारी कटघोरा तेज कुमार यादव, थाना प्रभारी उरगा निरीक्षक युवराज तिवारी,थाना प्रभारी दर्री निरीक्षक चमनलाल सिंह ,थाना प्रभारी करतला प्रमोद डडसेना ,चौकी प्रभारी मानिकपुर उप निरीक्षक प्रेमचंद साहू, चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सीएसईबी नवीन पटेल, आरमोरर शाखा प्रभारी अंगध्वज राठौर एवम् अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धा व धूमधाम से हुआ जवारा विसर्जन, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल, माँ का हुआ विशेष श्रृंगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। नगर के शीतला मन्दिर में नौ दिन तक चले नवरात्र सेवा व उत्सव का समापन सोमवार को ज्योत जवारा विसर्जन के साथ सम्पन्न हुआ।शहर के अलग-अलग मोहल्लों से महिला और पुरुष सफेद कपड़े पहनकर ज्योत और जवारा विसर्जन करने के लिए निकले।माता के भक्तों ने उन्हें भक्तिभाव के साथ विदा किया।माता के जसगीतों की धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए,नवरात्र नवमी पर रविवार को दुर्गा पंडालों में सुबह से ही हवन पूजन शुरू हो गया था।देर रात तक दुर्गा पंडालों में हवन पूजन चलता रहा।वहीं अष्टमी पर बड़ी देवी मंदिर प्रसाद चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। महिलाएं,युवतियां बालिकाएं अपने सिर पर जवारे रखे निकलीं।शहर के देवालयो से जवारे शीतला मंदिर धूमधाम से पहुंचे जहां पूजन अर्चन किया गया।सोमवार 11 बजे से विसर्जन के लिए लगी छिंद तलाब में

श्रद्धालुओं द्वारा स्थापित किया गया हजारों मनोकामना ज्योति जवारे कलश का विसर्जन विशेष पूजा आरती के पश्चात 11 बजे मन्दिर प्रांगण से निकालकर समीप के छिंद तलाब में बड़े ही धार्मिक वातावरण के बीच किया जाएगा।वही इस वर्ष नगरपालिका परिषद के द्वारा ज्योत कलश सिर में रखी माताओं बहनों के लिए विशेष ब्यवस्था कर ज्वारा विसर्जन के पश्चात नाश्ता व नीबू के मीठे पानी की ब्यवस्था किया गया था।जिसे अन्य भक्तों ने भी ग्रहण किया,इस ब्यवस्था के लिए पालिका परिषद से विशेष टीम बनाया गया था ताकि शरबत नास्ता सभी तक पहुच सके।

ज्योत जवारा विसर्जन में किसी तरह की अव्यवस्था न हो जिसके लिए पुलिस बल शीतला मन्दिर से तालाब तक लगाए गए थे,और पूर्व से व्यापक बंदोबस्त कर जगह जगह चौक चौराहों पर पुलिस जवानों को तैनात किया था वही जुलूस में टीकाराम ध्रुव के साथ अन्य पुलिस जवान मौजूद रहे,जिन्होंने शांति ब्यवस्था के साथ यातायात को भी सुचारु रूप से ब्यवस्थित किये।

आदर्श आचार संहिता के अनुरूप ही जारी हो सकेंगे विज्ञापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर ने निर्वाचन आयोग द्वारा सौंपे गए दायित्वों के बारे में बताया और उनका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एमसीएमसी के गठन की जरूरत और इसके कामकाज के बारे में विस्तार से बताया। समिति की बैठक में बताया गया कि एमसीएमसी का कामकाज आचार संहिता के प्रभावशील होने के साथ ही शुरू हो गया है। प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया ईकाई द्वारा प्रतिदिन प्रकाशित और प्रसारित समाचारों के साथ विज्ञापनों पर सत्त निगरानी रखने के साथ अखबारों के कतरन, स्क्रीन शॉट और विजुअल संग्रहित किए जा रहे हैं। टीम द्वारा प्रतिदिन प्रकाशित होने वाले 9 प्रात:कालीन तथा सांध्य समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया में प्रकाशित राजनीतिक समाचारों को चिन्हित किया गया है। पार्टियों द्वारा घोषित उम्मीदवारों और राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से प्रकाशित एक जैसे समाचारों को चिन्हित कर पेडन्यूज के रूप में रखने और संबंधित को नोटिस जारी करने के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने सभी कतरनों का परीक्षण कर नियमानुसार नोटिस जारी करते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने निर्देशित किया कि मीडिया को जारी होने वाले विज्ञापनों और पेड न्यूज पर कड़ी नजर रखे। बैठक में बताया गया कि लगभग 50 से अधिकारियों की टीम हर पल की खबर पर निगरानी रख रहे हैं। चुनाव संपन्न होने तक सभी चैनलों के प्रसारण को देखा जा रहा है। प्रमाणन की जरूरत इलेक्ट्रानिक मीडिया सहित केबल, रेडियो, ई पेपर, सिनेमा घर और सार्वजनिक दृश्य श्रव्य माध्यमों के लिए होगा। सभी तरह की मीडिया में जारी होने वाले विज्ञापनों का कन्टेन्ट आदर्श आचरण संहिता के अनुरूप होना चाहिए। अन्यथा इसकी प्रकाशन प्रसारण अनुमति नहीं दी जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पेड न्यूज के बारे में बताया कि पेड न्यूज (क्रीत समाचार) से तात्पर्य समाचार पत्रों में प्रकाशित उन समाचारों से है, जो वास्तव में किसी दल अथवा प्रत्याशी द्वारा अपने लाभ के लिए प्रायोजित किए जाते हैं।

कलेक्टर ने बताया कि निर्वाचन संबंधी किसी भी विज्ञापन, पोस्टर, पर्चा अथवा अन्य किसी भी अभिलेख में प्रकाशक एवं प्रिंटर का नाम और पता छपा होना चाहिए। ऐसा नहीं पाये जाने पर सजा अथवा जुर्माना हो सकता है। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 171 एच के अंतर्गत किसी प्रत्याशी की सहमति के बिना उसके लाभ के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया जाता है तो यह अवैध होगा।

रायपुर में विजयादशमी का जश्नः WRS कॉलोनी में 110 तो भाठागांव में 60 फीट के दशानन का पुतला दहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देशभर में दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी क्रम में रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी मैदान में 110 फीट का रावण दहन किया गया। वहीं दूसरी ओर रावणभाठा में भी 60 फीट का पुतला दहन किया गया। दोनों जगहों पर सीएम भूपेश ने दशानन के पुतले को दहन किया। रायपुरवासियों को दशहरे की बधाई और शुभकामनाएं दी। रावण दहन के दौरान जमकर आतिशबाजी की गई।

रावणभाठा में विधायक बृजमोहन अग्रवाल भी मौजूद रहे। रायपुर में सबसे बड़ा रावण का पुतला डब्ल्यूआरएस कॉलोनी मैदान में दहन किया गया। विजयादशमी पर रायपुर में जगह-जगह रावण के पुतले का दहन किया गया। रावणभाठा मैदान में भगवान बालाजी की पालकी दुधाधारी मठ से पहुंची।

डब्ल्यूआरएस मैदान में दशहरा उत्सव का यह 53वां वर्ष है। वहीं इसके साथ ही राजधानी रायपुर के 26 जगहों पर भी रावण दहन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत क प्रतीक दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। रावणभाठा में 60 फीट का पुतला दहन किया गया।

प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के कारण बनाए जा रहे रावण पुतला का कद को कम कर दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती रही। 26 जगहों में से 8 मुख्य उत्सव स्थलों पर सुरक्षा के लिए जवान तैनात रहेय। रावणभाठा मैदान, सप्रे मैदान और बीटीआई ग्राउंड जैसे कई जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान तैनात रहे।

रायपुर पुलिस की अनोखी पहल, ऑनलाइन ठगी से बचाने के लिए बनाया साइबर रावण का पुतला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देशभर में दशहरा का पर्व धूमधाम से मना रहे हैं। बुराई पर अच्छी की जीत का प्रतीक माने जाने वाले इस उत्सव को भारी आतिशबाजी के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी पुलिस की ओर से अनोखी रावण का पुतला दहन किया जाएगा। रायपुर पुलिस ने पुतला पर 'मैं हूं साइबर रावन' का लोगो लगाया है। इससे लोगों को ऑनलाइन ठगी से जागरूक कर रहे हैं।

रायपुर पुलिस की ओर से दस मुख वाली पुतला पर अलग-अलग तरह के जागरूक करने वाली बाते लिखी है। वहीं रावण के पेट पर 'तुम्हारी अज्ञानता मेरी ताकत' का लाइन भी लिखा गया है। इसके मध्यम से रायपुर पुलिस साइबर ठगों से लोगों को जागरूक कर रहे हैं। रायपुर में सैकड़ों लोग ऑनलाइन ठगी के शिकार हो गए हैं। ऐसे में पुलिस इससे बचने के लिए इस मुहिम को अपनाया है।

रायपुर पुलिस की ओर से आमजन को साइबर अपराध से बचाने के लिए अनूठा पहल किया जाता रहा है। इसी क्रम में मरीन ड्राइव रायपुर के पास साइबर ठग रूपी रावण से बचने के लिए लोगो में जागरूकता फैलाने पुतला लगाया है। इसे देखने लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को साइबर अपराध के बढ़ते कुप्रभाव को रोकना और जागरूक करना है।

खास खबर...

कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

रायपुर (ए)। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने सोमवार को बीटीआई मैदान शंकर नगर स्थित शासकीय स्कूल में विधानसभा चुनाव के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ भुरे ने अधिकारियों कर्मचारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलेट के संबंध में सारी व्यवस्था कर ली जाए। जिन अधिकारियों कर्मचारियों को डाक मतपत्र दिया जाना है, उनकी अंतिम सूची बना ली जाए और समय सीमा के भीतर वितरण किया जाए। उन्होंने कहा कि सेकंड रेंडमाइजेशन, कमिसनिंग, डाक मतपत्रों के वितरण और वोटर स्लीप के संबंध में टाइम टेबल बना कर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर बी.बी पंचभाई तथा सभी रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित थे।

पीपीएल के दसवें सीजन का भव्य शुभारंभ

रायपुर (ए)। खेल के नियम और खेल सम्बद्ध भावना से आबद्ध रायपुर की प्रतिष्ठित फार्मा प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता पीपीएल वर्ष 2023 में अपने यात्रा के दसवें पड़ाव में पहुँच चुकी है। शीतकाल में प्रत्येक रविवार को खेली जाने वाली प्रतियोगिता का शुभारंभ 22 अक्टूबर को हुआ। दशम संस्करण को यादगार बनाने आयोजन समिति ने विजेता और उपविजेता के पुरस्कारों के अतिरिक्त अन्य पुरस्कारों की भी घोषणा की है। इस प्रतियोगिता में विशुद्ध फार्मा जगत से संबंध कुल चौदह टीमें खेलेंगी। प्रतियोगिता के सभी मैच विप्र महाविद्यालय के ग्राउंड पर खेले जाएंगे।

विदित हो कि पीपीएल वह आयोजन है जिसने छत्तीसगढ़ में पहली बार दवा प्रतिनिधि (सह मैनेजर) बंधुओं के मध्य सौहार्दपूर्ण खेल प्रतियोगिता की अभिधारणा को स्थापित किया।

प्रतिष्ठा की उम्र व्यक्ति या संस्था से भी अधिक होती है इसलिए व्यक्ति या संस्था के अवसान के बाद भी प्रतिष्ठित नाम सदैव स्मरण किये जाते हैं। पीपीएल का नाम रायपुर फार्मा के क्रिकेट कैनवास पर स्वर्णाक्षरों में मुद्रित है, इसकी प्रतिष्ठा और ख्याति रायपुर क्रिकेट फार्मा समुदाय में वन में वायु की तरह व्याप्त है।

धार्मिक स्थलों से नहीं होगा कोई चुनाव प्रचार-प्रसार

अभ्यर्थी-राजनीतिक दलों को आचार संहिता में कई बातों का रखना होगा ध्यान

रायपुर (ए)। भारत निर्वाचन आयोग व्दारा विधानसभा निर्वाचन के दौरान राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन के लिए जो आचार संहिता जारी की है उसके अनुसार सामान्य आचरण के अंतर्गत कोई दल या अभ्यर्थी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जिससे भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच विद्यमान मतभेद अधिक गंभीर हो सकते हैं या परस्पर नफरत हो सकती है या तनाव पैदा हो सकता है।

यदि राजनीतिक दलों की आलोचना की जाए, तो यह उनकी नीतियों और कार्यक्रमों, गत रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रखी जाएगी। दलों और अभ्यर्थियों को अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सार्वजनिक गतिविधियों से असंबद्ध निजी जीवन के सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना होगा। असत्यापित आरोपों या मिथ्या कथन के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना करने से बचना होगा।

मत प्राप्त करने के लिए जाति या संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थलों को निर्वाचन प्रचार के मंच के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाएगा।

सभी दल और अभ्यर्थी ऐसी सभी गतिविधियों से ईमानदारी से परहेज करेंगे जो निर्वाचन विधि के अधीन भ्रष्ट आचरण एवं अपराध हैं जैसे कि मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, मतदाताओं का प्रतिरूपण, मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के अंतर्गत प्रचार करना, मतदान समाप्त होने के लिए निर्धारित समय के समाप्त होने वाले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक सभाएं आयोजित करना और मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए परिवहन और वाहन उपलब्ध कराना।

जीवन के सारे सौभाग्य का मूलभूत द्वार है विनयः प्रवर प्रवीण ऋषि

रायपुर (ए)। रायपुर की पावन धरा पर 21 दिवसीय 'उत्तराध्ययन श्रुतदेव आराधना' का 24 अक्टूबर को भव्य शुभारंभ हुआ। उत्तराध्ययन सूत्र भगवान महावीर के अंतिम वचन हैं, जिसे सुनने के लिए देवता भी स्वर्ग से उतरकर धर्मसभा में बैठे थे। लगातार 16 पहर तक चले महावीर के प्रवचनों का लाभ संसार के समस्त जीवों ने लिया था। सुधर्मा स्वामी द्वारा रचित यह पवित्र ग्रन्थ है जिनके 36 अध्याय में महावीर स्वामी के निर्वाण के कुछ समय पहले दिए गये उपदेश संग्रहित हैं। उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने धर्मसभा में उपस्थित श्रावकों को उस धर्मसभा का वर्णन किया जहां महावीर ने अपने प्रवचन दिए। तीर्थंकर परमात्मा के पावन, पवित्र अस्तित्व की समृद्धि में अनुभूति कराने के लिए देवों द्वार निर्मित एक भव्य दिव्या समोशरण, एक विशाल चांदी का परकोटा, जिसके चारों दिशाओं में द्वार है, उसी के अंदर में ऊंचाई पर एक स्वर्ण का परकोटा, उसके अंदर रत्नों से बना परकोटा, जिसके मध्य में अशोक वृक्ष, स्फटिक सिंहासन पर विराजमान तीर्थंकर प्रभु महावीर को नमन करते हुए उनके समोशरण में प्रवेश करें।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए प्रवीण ऋषि ने कहा कि जीवन के सारे सौभाग्य का मूलभूत द्वार है विनय। विनय एक अनूठा शब्द है, और इससे भी अनूठा है इसका जीवन। प्रभु ने निर्वाण कल्याणक के वरदानों में सबसे पहला वरदान दिया विनय का। प्रभु फरमाते हैं कि जैसे सभी जीवों के लिए धरती आधार बनती है, विनय है या नहीं, इसकी कसौटी प्रभु देते हैं। जैसे पानी कहीं भी बरसे, समुद्र की शरण में जाता है, ऐसा सागर के समान जिसका जीवन हो जाता है मंगल कार्यों के लिए, जिसके पास मंगल अनुष्ठान चले आते हैं, जिसको किसी मंगल की शरण में जाने की जरुरत नहीं पड़ती, उसका जीवन श्रद्धेय शास्त्र बन जाता है, उसका जीना ही शास्त्र हो जाता है। उसके जीवन से संशय के कांटे निकल जाते हैं। उसके तन, मन वचन में संशय नहीं रहता है। ऐसा विनय हमारे जीवन में हो जाए की मन में कभी संशय न आये। विनयी व्यक्ति के लिए कर्म ही ऐश्वर्य हो जाता है। राम के लिए कर्म ही संपदा हो गई, इंद्रभूति गौतम के लिए कर्म ही शास्त्र हो गया।

उपाध्याय प्रवर ने आगे कहा कि ऐसा जीवन कैसे बनता है? इसकी शुरुआत कैसे होती है? इसका बीज क्या है? विनय के कल्पवृक्ष का पहला बीज है कि मैं कभी भी सड़े कान का कुत्ता नहीं बनूंगा। प्रभु फरमाते हैं कि एक कुत्ता होता है, जिसे लोग बड़े प्यार से रखते हैं, खिलाते है। और एक कुत्ता होता है जिसे लोग भागते हैं। जिस कुत्ते के कान सड़ गए हों, ऐसे कुत्ते को कोई अपने आंगन में प्रवेश करने नहीं देता। प्रभु कहते हैं कि जिसे सड़े कान वाले कुत्ते को लोग निकाल देते हैं, वैसे ही जिसके अंदर के कान (भावना के कान) सड़े हुए रहते है, उसे लोग तिरस्कार देते हैं। गुरु, माता-पिता की मंगल भावना महसूस नहीं होती है। उनके वचन कटु लगते हैं, वरदान सुनने में पीड़ा होती है तो प्रभु फरमाते हैं कि कान सड़े हुए हैं। दूसरा प्रभु ने कहा कि अपने मन को कभी सूअर का मन मत होने दो। सुअर के शरीर में पसीने की ग्रंथि नहीं होती, शरीर का टोक्सिन निकालने की शक्ति नहीं होती है, शरीर का तापमान नियंत्रित नहीं कर सकता है, इसलिए उसे गन्दगी में बैठना पड़ता है ठंडक के लिए। प्रभु कहते हैं कि जो अपने अंदर का जहर नहीं निकाल पाता है उसका मन सूअर जैसा होता है।

रायपुर से जैसलमेर और दुर्गापुर के लिए नई फ्लाइट सेवा शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अगले सप्ताह से रायपुर से जैसलमेर व दुर्गापुर के लिए नई फ्लाइट की सौगात मिल रही है। इंडिगो एयरलाइंस द्वारा 29 अक्टूबर से इन शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट शुरू की जा रही है।

विमानन कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार फ्लाइट क्रमांक 2191 सुबह 9.35 बजे से रायपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी और 11.30 बजे वहां पहुंचेगी। इसके बाद फ्लाइट क्रमांक 729 दिल्ली से दुर्गापुर के लिए दोपहर 14.30 बजे उड़ान भरेगी और 16.30 बजे दुर्गापुर पहुंचेगी।

ट्रैवल्स संचालकों से मिली जानकारी के अनुसार फ्लाइट क्रमांक 2191 सुबह 9.20 बजे रायपुर से दिल्ली उड़ान भरेगी। फिर दिल्ली से जैसलमेर के लिए फ्लाइट क्रमांक 2101 दोपहर 12.45 बजे उड़ान भरेगी और 14.25 बजे जैसलमेर पहुंचेगी। फ्लाइट क्रमांक 2102 जैसलमेर से दिल्ली के लिए दोपहर 14.55 बजे उड़ान भरेगी और शाम 16.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इसके बाद फ्लाइट क्रमांक 859 दिल्ली से रायपुर के लिए शाम सात बजे उड़ान भरेगी और रात्रि 20.45 बजे रायपुर पहुंचेगी। भुवनेश्वर के लिए भी कनेक्टिंग फ्लाइट शुरू हो रही है।

राज्यपाल ने विजयादशमी पर किया शस्त्र पूजन व हवन

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर राजभवन में आयोजित शस्त्र पूजन और हवन में शामिल हुए और देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने राजभवन परिसर में विधिवत् शस्त्र पूजा की। उन्होंने राजभवन सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों को विजयादशमी और दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी।इस दौरान विशेष रूप से गायत्री परिवार को आमंत्रित किया गया। राज्यपाल हरिचंदन ने इस अवसर पर कहा कि असत्य पर सत्य की जीत का यह त्योहार हमें अहंकार और अधर्म का नाश करने की सीख देता है। हमें दशहरे के इस पावन पर्व पर सत्य की राह में चलने का संकल्प लेना चाहिए।

सिंदूर खेलकर सुहागिनों ने मां दुर्गा को दी नम आँखों से विदाई

रायपुर (ए)। शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर स्थित मंदिर परिसर में विजयदशमी के दिन 24 अक्टूबर को सिंदुर उत्सव का आयोजन किया गया। सुहागिनों ने सिंदूर खेलकर मां दुर्गा को नम आँखों से विदाई दी व अखण्ड सौभाग्यवती होने का वरदान मांगा। इसके साथ ही सभी भक्तों ने विश्व शांति की कामना भी की।

शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर के सचिव विवेक बर्धन ने बताया कि मंदिर प्रांगण में बंगाली समाज के साथ ही अन्य समाज की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में माँ दुर्गा को सिंदूर लगाकर पूजा-अर्चना की एवं एक-दूसरे को भी सिंदूर लगाया। महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य और गीत गाकर माँ दुर्गा को विदाई दी। सिंदूर खेला को देवी सिंदूर वरन के नाम से भी जाना जाता है। सिंदूर खेल का आयोजन शाम पाँच बजे से किया गया। बर्धन ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार मां दुर्गा जब मायके से विदा होकर ससुराल जाती है तो उनकी मांग सिंदुर से सजाई जाती है। इसके बाद सुहागिन स्त्रियां एक-दूसरे को सिंदुर लगाकर शुभकामनाएं देती हैं। मान्यता है कि सुहागिनों को सौभाग्यवती होने का वरदान प्राप्त होता है। सिंदूर खेला के साथ ही सभी भक्तों ने सर्वे भवन्तु सुखीन: की प्रार्थना के साथ विश्व शांति की कामना भी की।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

डायबिटीज कंट्रोल से लेकर वजन कम करने तक नोट कर लें नारियल पानी के 6 जबरदस्त फायदे

नारियल का पानी सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। यह स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। नारियल पानी में कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व मौजूद हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, अमीनो- एसिड, एंजाइम्स, विटामिन सी पाए जाते हैं, जो हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं। नारियल पानी के सेवन से इम्यूनिटी बढ़ती है और थकान-कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा डायबिटीज जैसी बीमारियों को भी यह कंट्रोल करने का काम करता है। आइए जानते हैं नारियल पानी पीने से सेहत को क्या-क्या लाभ हो सकता है।

थकान:- नारियल पानी में कम कैलोरी और ज्यादा पोषण पाया जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स थकान महसूस नहीं होने देता है। रोजाना सुबह-सुबह नारियल पानी पीने से थकान-कमजोरी दूर हो सकता है। इससे इंस्टैंट एनर्जी भी मिलती है।

इम्यूनिटी:- नारियल पानी विटामिंन, पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। ये सभी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने का काम कर सकते हैं। अगर नारियल पानी रोज पिया जाए तो कई तरह की बीमारियों को दूर करने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो सकती है।

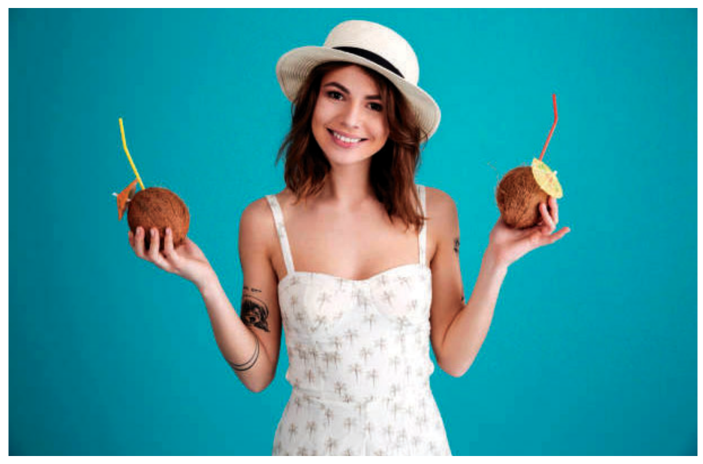

मोटापा:- वजन कम करने के लिए भी नारियल पानी का कोई तोड़ नहीं है। नारियल पानी पीने से शरीर को सभी आवश्यक तत्व की पूर्ति होती है। इसका पानी पेट को काफी देर तक भरा रखता है और आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं। जिससे वजन तेजी से कम हो सकता है।

सिरदर्द:- तेज धूप और गर्मी की वजह से कई बार डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है और अचानक से तेज सिरदर्द होने लगता है। इसके पीछे का कारण डिहाइड्रेशन हो सकता है। ऐसे में तुरंत नारियल पानी पीने से शरीर को इलेक्ट्रोलाइट्स मिल जाते हैं। जिससे पानी की कमी कंट्रोल हो जाती है और सिरदर्द की समस्या दूर हो सकती है।

डायबिटीज:- नारियल पानी डायबिटीज के मरीजों के लिए जबरदस्त फायदेमंद माना जाता है। दरअसल, इंसुलिन की कमी से डायबिटीज की समस्या होती है। कोकोनट वॉटर इंसुलिन को बढ़ाने का काम करता है। इसलिए डायबिटिक के लिए यह अच्छा माना जाता है।

तनाव:- काम का बोझ और बिजी शेड्यूल की वजह से अगर तनाव हावी रहता है तो नारियल पानी पीना चाहिए। ये मेटाबॉलिज्म में सुधार कर तनाव को दूर करने में मदद कर सकता है। इससे पीने से मेंटल हेल्थ भी अच्छा हो सकता है।

तमिल स्टार जय के नए शो लेबल का नया पोस्टर जारी

तमिल स्टार जय अपनी अपकमिंग वेब-सीरीज लेबल के लिए तैयारी कर रहे हैं, जो एक सोशल-पॉलिटिकल-थ्रिलर सीरीज है। इस शो का ट्रेलर जल्द ही रिलीज होने वाला है। फिलहाल, मेकर्स ने नया पोस्टर जारी किया है।

पोस्टर में थिरुमानम एन्नुम निकाह एक्टर को वकील के लुक में दिखाया गया है। उन्होंने ब्लैक कोट पहना है और हाथ में ब्रीफकेस पकड़ा हुआ है। पोस्टर में वह किसी चीज की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं, जो उनके लिए भविष्य में सफलता हासिल करने की कोशिश प्रतीत होती है। लेकिन, इस दौरान सैकड़ों लोग उन्हें नीचे से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। शो का ट्रेलर बहुत कुछ सामने लाएगा, हालांकि लेबल ने कुछ समय पहले इसका टीजर जारी किया था। एक सोशल-पॉलिटिकल-थ्रिलर सीरीज के रूप में तैयार यह शो एक व्यक्ति की अपनी व्यक्तिगत पहचान हासिल करने की इच्छा की पड़ताल करता है। कहानी नायक द्वारा अपनी पहचान को पाने और अपने भविष्य पर बेहतर बनाने के संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। टीजर कानून, भारतीय संविधान की झलक पेश करता है और विशेष रूप से अनुच्छेद 20 पर केंद्रित है, जो अपराधों के आरोपियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

रोजाना एक कप नींबू की चाय का करें सेवन, मिल सकते हैं ये स्वास्थ्य लाभ

सुबह के समय एक कप नींबू की चाय का सेवन न केवल आपको तरोताजा महसूस करा सकता है, बल्कि इससे कई स्वास्थ्य लाभ भी मिल सकते हैं। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स, विटामिन-ए, विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी और विटामिन-डी के साथ-साथ कई बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, जो मुधमेह और कैंसर जैसी कई बीमारियों के जोखिमों को कम करने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि डाइट में नींबू की चाय को शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

कैंसर का खतरा कम करने में है सहायक

नींबू की चाय का सेवन कैंसर से सुरक्षित रखने और कैंसर को विकास को रोकने में मदद कर सकता है। इसका कारण है कि इस चाय में एंटी-कैंसर गुण होते हैं, जो कैंसर फैलाने वाली कोशिकाओं को पनपने से रोकने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें कई तरह के फेनोल्स और फ्लेवोनोइड भी होते हैं, जो कैंसर के प्रभाव को धीरे-धीरे खत्म कर सकते हैं। हालांकि, कैंसर मरीज डॉक्टर की सलाह के बाद ही इस चाय का सेवन करें।

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं का इलाज करने में है कारगर

नींबू की चाय को पाचन क्रिया में सुधार करने में लाभदायक माना जाता है। इसे पीने से एसिडिटी और सूजन से राहत मिल सकती है। यह पाचन क्रिया में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में भी मदद कर सकती है। कई अध्ययनों के मुताबिक, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं का इलाज करने में नींबू की चाय पीना अच्छा है। इसके अलावा यह इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम के लक्षणों को भी कम कर सकती है।

वजन घटाने में कर सकती है मदद

नींबू की चाय फाइबर और विटामिन- सी से भरपूर होती है। ऐसे में इसका सेवन वजन घटाने में मदद कर सकता है। इस चाय में पॉलीफेनोल्स भी होते हैं, जो ऊर्जा और वसा ऑक्सीकरण को बढ़ाकर वजन घटाने में योगदान कर सकते हैं। यह चाय मेटाबॉल्जिम को तेज करके वजन घटाने की प्रक्रिया को बढ़ाने में भी मदद कर सकती है। इसलिए फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए भी यह चाय फायदेमंद है।

बैक्टीरियल संक्रमण से रख सकती है सुरक्षित

अगर आप रोजाना एक कप नींबू की चाय का सेवन करते हैं तो इसकी एंटी-बैक्टीरियल गतिविधियां आपको कई लाभ दे सकती हैं।

एक शोध के मुताबिक, नींबू की चाय में एंटी-बैक्टीरियल गतिविधि पाई जाती है, जो शरीर को बैक्टीरियल संक्रमण से बचाने में मदद कर सकती है।इसलिए बदलते मौसम में तो इसका सेवन जरूर करें।

ह्रदय को स्वस्थ रखने में है प्रभावी

नींबू की चाय में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो स्वस्थ ह्रदय के लिए लाभकारी माने जाते हैं क्योंकि ये ह्रदय से जुड़े कई घातक कारकों के खतरे को कम करता है। साथ ही ये ह्रदय में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारने में मदद कर सकते हैं, जिसकी वजह से ब्लड क्लॉटिंग नहीं होता और शरीर में ब्लड प्रेशर के स्तर को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलती है।

खुलासा: दीपिका और रणवीर ने 2015 में की थी गुपचुप सगाई

लोकप्रिय चैट शो कॉफी विद करण के 8वें सीजन के पहले एपिसोड में स्टार कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण नजर आएंगे। एपिसोड के दौरान कपल ने बताया कि दोनों ने साल 2015 में गुपचुप तरीके से सगाई कर ली थी। एपिसोड के प्रोमो में रणवीर और दीपिका को मजेदार सवालों का जवाब देते हुए दिखाया गया है। रणवीर ने बातचीत के बीच करण जौहर को ठरकी अंकल कहा। करण जौहर दोनों से पूछते हैं कि क्या उन्होंने गुपचुप तरीके से सगाई की थी?, और इस पर रणवीर सिंह ने कहा, साल 2015 में मैंने इसे प्रपोज किया था। इससे पहले कि कोई और आ जाए, मैं जाकर चप्पल रख देता हूं।

दीपिका से पूछा गया कि क्या वह रॉकी रंधावा को डेट करेंगी तो उन्होंने खुलासा किया, मैंने रॉकी रंधावा से शादी की है। इसके अलावा, जब दीपिका से पूछा गया कि अपने प्यारे पति के अलावा वह किसके साथ अच्छी केमिस्ट्री शेयर करती हैं, तो वह कहती हैं, मुझे लगता है कि ऋतिक के साथ मेरी केमिस्ट्री अच्छी है, जिसे हर कोई देखेगा। कॉफी विद करण सीजन 8 नए गेम्स के साथ डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 26 अक्टूबर को स्ट्रीम के लिए उपलब्ध होगा।

म्यूजिकल प्ले आनंद ने मेरे दृष्किोण का किया विस्तार: अनीशा मधोक

हॉलीवुड फिल्म बुली हाई में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस अनीशा मधोक अब म्यूजिकल प्ले आनंद में नजर आएंगी। उन्होंने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया और कहा कि इससे उन्हें कला के बारे में दृष्टिकोण का विस्तार करने में मदद मिली। आनंद का निर्देशन मुजफ्फर अली ने किया है।

अनीशा झुमकी की भूमिका निभा रही हैं, जो एक युवा मोहक लड़की है और आनंद की तलाश में आध्यात्मिक ज्ञान का सामना करती है। कबीर बेदी इस नाटक के सूत्रधार हैं। सअनीशा ने कहा, पूरे अनुभव ने शांति, रचनात्मकता और ग्रहणशीलता के संयोजन के साथ कला के बारे में मेरे दृष्टिकोण का विस्तार करने में मदद की है। मुजफ्फर अली सर की आभा मुझे उनके प्रति विस्मय में रखती है।

उन्होंने कहा, वह अपने नाम के कारण नहीं बल्कि सीमाओं से परे कला के प्रति समर्पण करने की अपनी क्षमता के कारण बेहतरीन कलाकार हैं। मेरे द्वारा कहे गए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं हैं। मैं बहुत आभारी हूं। आनंद से उन्हें किस तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद है, इस पर अनीशा ने कहा, मुझे लगता है कि भारत आगे बढ़ रहा है। मैंने साउथ कैलिफोर्निया के विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है और सिंगिंग, डांस और एक्टिंग के साथ लाइव परफॉर्मेंस की अपनी सारी सीख वापस ला रही हूं। आइए अपने देश में कला के मानकों को ऊंचा बनाएं, खासकर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रतिभाओं के संबंध में।

नाटक में उनके सभी आउटफिट समा अली और मीरा अली द्वारा डिजाइन किए गए हैं। कबीर बेदी के साथ काम करने पर, अनीशा ने कहा, मैं उनसे पहली बार दिल्ली के जयपुर पोलो मैदान में अपने इतालवी दोस्तों के साथ मिली थी, जो उनके बहुत बड़े प्रशंसक हैं। वह बहुत दयालु हैं और विश्व स्तर पर प्रशंसित हैं। बेदी के साथ इस प्रोडक्शन का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। म्यूजिकल प्ले आनंद 26-27 अक्टूबर को दिल्ली में होगा।

प्रभास का सालार से सामने आया नया पोस्टर

कई सारे अवतार में दिखे सुपरस्टार

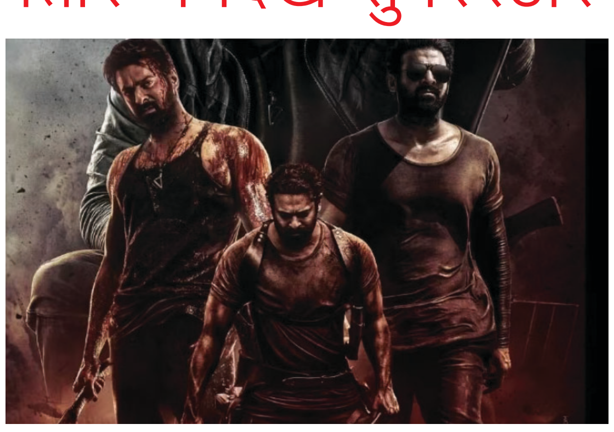

प्रभास की मचअवेटेड फिल्म सालार को लेकर गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म को लेकर फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। वहीं फैंस के एक्साइटमेंट को दोगुना करने के लिए मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए फिल्म के मेकर्स ने सुपरस्टार को जन्मदिन की ढेर सारी बधाईयां दी हैं।

फिल्म का पोस्टर बेहद शानदार नजर आ रहा है, जहां प्राभस एक नहीं दो नहीं बल्कि कई सारे अवतार में नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह पोस्टर खूब वायरल हो रहा है। फैंस उनके इन बेहतरीन लुक्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

हाल ही में खबर आई थी कि 'सालार' के ओटीटी राइट्स बेच दिए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के राइट्स 80 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। अब ऐसे में प्रभास की इस फिल्म ने एस.एस. राजमौली की फिल्म आरआरआर को पछाड़ दिया है। आरआरआर के ओटीटी राइट्स 75 करोड़ में बिके थे।

ये फिल्म 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सालार में प्रभास के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन, टीनू आनंद, ईश्वरी राव, जगपति बाबू, श्रीया रेड्डी, गरुड़ राम भी हैं। निर्देशक प्रशांत नील द्वारा निर्देशित 'सालार' तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, तमिल और हिंदी सहित 5 भाषाओं में रिलीज होने वाली है।

शादी के बाद परिणीति चोपड़ा ने कराया हॉट फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस हाल ही में शादी के बंधन में बंधी हैं। एक्ट्रेस आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के साथ परिणय सूत्र में बंधी हैं। अब शादी के बाद एक्ट्रेस का बेहद ग्लैमरस फोटोशूट सामने आया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने शादी के बाद बेहद हॉट फोटोशूट कराया है। फिल्मफेयर के लिए किए गए इस फोटोशूट में एक्ट्रेस बेहद ही बोल्ड नजर आ रही हैं। बॉलिवुड में चुलबुली लड़की की इमेज वाली परिणीति चोपड़ा शादी के बाद अब एक नए अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने फिल्मफेयर के कवर के लिए एक हॉट फोटोशूट कराया है। अब एक्ट्रेस की यह तस्वीरें सोशल मेडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस जमकर एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट कर लिखा, परिणीति के इन फोटोज को देखकर राघव चड्ढा के भी पसीने छूट जाएंगे। वहीं एक अन्य यूजर ने कमेंट कर लिखा, हॉटनेस ओवरलोडेड। साथ ही परिणीति और राघव के रिसेप्शन की तस्वीरें भी सामने आई हैं। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की हैं। चित्र में दोनों काफी खूबसूरत लग रहे हैं। इन तस्वीरों में परिणीति ने रोसेट ब्लश साड़ी पहनी है, वहीं राघव चड्ढा ब्लैक और व्हाइट सूट पहने नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों ही बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस ने एमरल्ड नेकपीस पहना है। न्यूड मेकअप किया हुआ है। साथ ही बालों को खुला रखा है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

माँ की प्रसन्नता के लिए भक्तों ने किया आकर्षक धुनुची नृत्य

बंगाली दुर्गा पूजा की सदियों प्राचीन परंपरा राजेन्द्र नगर में 43 वर्षों से जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री श्री शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर के मंदिर परिसर में महानवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भव्य धुनुची नृत्य किया। धुनुची नृत्य बंगाली दुर्गा पूजा की परंपरा का अहम हिस्सा है। धुनुची नृत्य में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। दुर्गा पूजा के अवसर पर विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

श्री श्री शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर के सचिव श्री विवेक बर्धन ने बताया कि नवरात्र के अवसर पर धुनुची नृत्य दुर्गा पूजा पंडालों में महानवमी में किया जाने वाला नृत्य है। दुर्गा पूजा के दौरान इस नृत्य की परंपरा सदियों से चली आ रही है। श्री बर्धन ने बताया कि धुनुची नृत्य का सम्बंध महिषासुर वध से है। पुराणों के अनुसार महिषासुर के अंत के लिए देवताओं ने माँ दुर्गा की पूजा-उपासना की थी और माँ ने महिषासुर के वध से पूर्व अपनी शक्ति बढ़ाने के लिए यह धुनुची नृत्य किया था। कहीं-कहीं महानवमी के पूर्व महासप्तमी से भी यह नृत्य किया जाता है। समिति के राजेन्द्र नगर स्थित मंदिर परिसर के दुर्गा पूजा पंडाल में बीते 42 वर्षों से धुनुची नृत्य का आयोजन कर इस परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है। यह 43वां वर्ष है। भक्तों ने माँ को प्रसन्न करने और मनोवांछित कार्य की सिद्धि के लिए आकर्षक धुनुची नृत्य किया।

इसके साथ ही प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बच्चों की प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें शंखनाद, सामान्य ज्ञान, कुर्सी दौड़, नृत्य व संगीत प्रतियोगिता में बच्चों के साथ बड़ों ने भी अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के विजाताओं के साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

श्री शारदीय दुर्गोत्सव त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समिति राजेंद्र नगर स्थित मंदिर परिसर में विजयदशमी के दिन 24 अक्टूबर को सिंदुर उत्सव का आयोजन किया गया है। सचिव श्री विवेक बर्धन ने बताया कि इसे सिंदुर खेला (देवी सिंदुर वरन) के नाम से जाना जाता है। सिंदूर खेला का आयोजन शाम पांच बजे से किया जाएगा। श्री बर्धन ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार मां दुर्गा जब मायके से विदा होकर ससुराल जाती है तो उनकी मांग सिंदुर से सजाई जाती है। इसके बाद सुहागिन स्त्रियां एक-दूसरे को सिंदुर लगाकर शुभकामनाएं देती हैं। मान्यता है कि सुहागिनों को सौभाग्यवती होने का वरदान प्राप्त होता है।

होम वोटिंग की प्रक्रिया को बारीकी से समझे-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल के दिशा-निर्देशन में आज सृजन सभाकक्ष में मतदान दलों को 80 से अधिक आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं को दी जाने वाली पोस्टल बैलेट की सुविधा के संबंध प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जिला पंचायत सीईओ जितेन्दर यादव, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव पाण्डेय उपस्थित रहें।

कलेक्टर गोयल ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा इस वर्ष 80 से अधिक आयु वर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं को घर पहुंच मतदान की सुविधा दी जा रही हैं, जो काफी महत्वपूर्ण हैं। जिससे इस प्रक्रिया में आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। घर-घर जाकर वोटिंग के लिए बहुत सारी सावधानियां बरती जानी हैं, जिसका आपको विशेष ध्यान रखना होगा। यही कारण है कि आपके लिए यह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया हैं, जिससे आपको स्पष्ट हो जाए एवं पोस्टल बैलट से संबंधित प्रक्रिया में शंका होने पर प्रशिक्षण में पूछ कर तत्काल उसका समाधान कर ले। कलेक्टर गोयल ने मतदान दल के अधिकारियों से पोस्टल बैलेट प्रक्रिया से संबंधित प्रश्न पूछते हुए उनका भी समाधान भी किया।

इस दौरान कलेक्टर गोयल ने कहा कि घर पहुंच मतदान दल में पीठासीन स्तर के एक अधिकारी एवं एक अन्य मतदान अधिकारी, माइक्रो ऑब्जर्वर, वीडियो ग्राफर, सुरक्षा कर्मी मौजूद होंगे। इसके साथ ही बीएलओ इस प्रक्रिया में आपका सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्लान तैयार किया जा रहा है। जिसके अनुसार आपको कार्य करना होगा। उन्होंने मतदाता के घर में होने वाले मतदान की गोपनीयता के संबंध में बारीकी से जानकारी दी। इसके साथ ही निर्वाचन कार्य में संलग्न कर्मचारियों के वोटिंग के लिए बनाए गए सुविधा केंद्र के संबंध में विशेष निर्देश दिए।

प्रशिक्षण में डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर एवं जिला मास्टर ट्रेनर राजेश डेनियल ने सभी मतदान दल के अधिकारियों को पोस्टल बैलेट की विस्तृत जानकारी देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया।

खास खबर

कलेक्टर सौरभ कुमार ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के लिए झगरहा स्थित आई टी कोरबा कॉलेज में निर्मित स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान पश्चात् ईव्हीएम को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे जाने एवं उनकी निगरानी के लिए सुदृढ़ व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने संपूर्ण स्थल का सुरक्षा के मद्देनजर बारीकी से निरीक्षण करते हुए सामग्री वितरण, सामग्री मिलान, पार्किंग, स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष आदि की समुचित व्यवस्था बनाने हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान दलों को चुनाव सामग्री का वितरण भी इसी स्थल से किया जाएगा। इस हेतु मतदान से पूर्व पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं मतदान समाप्ति उपरांत मतदान पेटियों को स्ट्रांग रूम में व्यवस्थित रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

महिलाओं, विकलांगों, युवाओं एवं नागरिकों को समावेशी एवं सहभागी बनने के लिए विशेष मतदान केंद्र स्थापित

मोहला। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 78 मोहला - मानपुर के अंतर्गत निर्वाचन में महिलाओं, विकलांगों, युवाओं एवं नागरिकों को मतदान में और अधिक समावेशी और सहभागी बनाने के लिए विशेष मतदान केंद्रों की स्थापना की गई है। इनमें मतदान केंद्र क्रमांक 170 खडगांव, केंद्र क्रमांक 194 ख्वासफड़की, केंद्र क्रमांक 172 खरदी, केंद्र क्रमांक 203 मानपुर, केंद्र क्रमांक 187 ईरागांव, केंद्र क्रमांक 28 गोर्राटोला, केंद्र क्रमांक 41 गोपलीनचुवा, केंद्र क्रमांक 103 मोहला, केंद्र क्रमांक 18 मेटेपार, केंद्र क्रमांक 91 मंझियापार, को महिला कर्मियों के लिए मतदान केंद्र स्थापित किया गया है। इसी प्रकार युवा मतदान केंद्र के रूप में मतदान केंद्र क्रमांक 102 मोहला को एवं दिव्यांग मतदान केंद्र के रूप केंद्र क्रमांक 64 करमरी को विशेष मतदान केंद्र स्थापित किया गया है।

विधानसभा आम निर्वाचन 2023 : मतदान दिवस 7 नवंबर के लिए संवैतनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित

मोहला। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस जयवर्धन ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 78 मोहला मानपुर के लिए मतदान दिवस 7 नवंबर दिन मंगलवार को मतदान संपन्न कराने के लिए सामान्य अवकाश घोषित किया है। मतदान दिवस 7 नवंबर 2023 दिन मंगलवार को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी के संपूर्ण जिला क्षेत्र में स्थित शासकीय संस्थाओं, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापना में कार्यरत कर्मचारियों को संवैतनिक अवकाश की मंजूरी प्रदान की गई है। अत: जिले के सभी शासकीय संस्थाओं कार्यालय एवं कारोबारी, व्यवसाय औद्योगिक उपक्रम, उक्त निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित करेंगे।

शाही रथ पर निकले राजा और युवराज, 35 फीट ऊंचे रावण का पुतला जलाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कवर्धा में मंगलवार को शाही दहशरा मना। पूर्व रियासत के राजा योगेश्वर राज सिंह ने सुबह कुल देवी व देवता समेत मंदिरों में पूजा की। शाम 4.30 बजे राजा योगेश्वर राज सिंह, राजकुमार मैखलेश्वर सिंह शाही रथ पर सवार होकर महल के प्राचीन हाथी दरवाजे से निकले। उनके साथ रियासत का ध्वज व प्रतीक चिन्ह भी रखा गया।

शाही रथ के आगे भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान के वेश में सजे बच्चों का रथ था। योगेश्वर राज सिंह ने लोगों का अभिवादन करते दिखे। सरदार पटेल मैदान में आतिशबाजी के बाद 35 फीट ऊंचे रावण का पुतला जलाया गया। शाही दशहरे की रात कवर्धा रियासत की परंपरा कायम रही। पूर्व कवर्धा रियासत के राजा योगेश्वर राज सिंह ने 84 साल पुराने मोती महल में राज दरबार लगाया, जहां प्रजा का हाल-चाल जाना। लोगों ने अपने राजा को श्रीफल भेंट किया, तो राजा ने भी भेंट स्वरूप सभी को पान खिलाया।

नगर भ्रमण करते हुए शाही रथ यात्रा सराफा लाइन स्थित मां शीतला पहुंची, जहां मां शीतला की पूजा की गई। इसके बाद मंदिर से ज्योत जंवारा निकाला गया। शाही रथ पर सवार राजा भी ज्योत जंवारा के पीछे- पीछे चलते हुए कचहरी पारा के रामघाट पहुंचे, जहां जंवारा का विसर्जन किया गया।

शहरवासियों ने दी विदाई... मां अंबे की विसर्जन झांकी में पहुंचे लोग, जगमगाता रहा चौक

श्रीकंचनपथ न्यूज

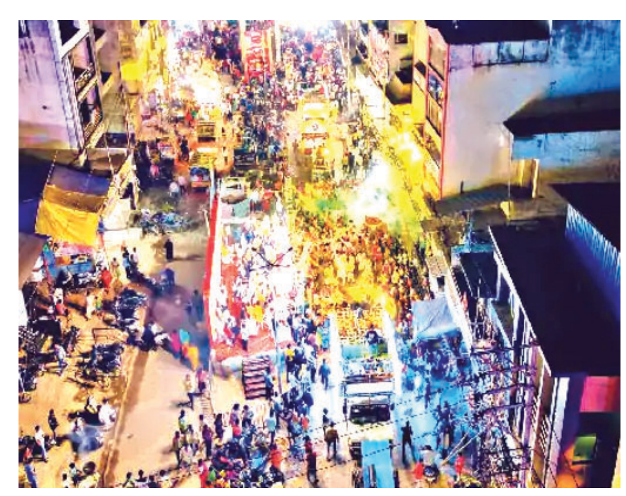

धमतरी। सोमवार को शारदीय नवरात्रि के समापन पर विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने घड़ी चौक पर आकर्षक विसर्जन झांकी निकाली। जहां विभिन्न वार्डों में विसर्जित देवी की प्रतिमा के साथ भक्त पहुंचे। इस दौरान ढोल-नगाड़े की थाप पर शहरवासी जमकर झूमते रहे। देर रात तक रंग-बिरंगी लाइट से घड़ी चौक रोशन रहा। वहीं रुद्रेश्वर घाट में निगम की ओर से प्रतिमा विसर्जन कराया गया। 2 दिन में 500 से अधिक छोटी-बड़ी प्रतिमा विसर्जित की गई।

रुद्रेश्वर घाट में देवी प्रतिमा विसर्जन के लिए निगम की ओर से व्यवस्था की गई, जहां धमतरी के अलावा कांकेर, रायपुर, दुर्ग-भिलाई व बालोद जिले से भक्त देवी की प्रतिमा लेकर विसर्जन करने रुद्री बैराज आए थे। आज मराठा पारा स्थित मंदर माई मंदिर से ज्योत-जवारा यात्रा शाम 4 बजे निकलेगी। रास्ते भर माता सेवा गीतों के बीच देव बाजा की थाप पर भक्त थिरकेंगे।

ज्योत-जवारा दर्शन करने अछोटा, मुजगहन, श्यामतराई, शंकरदाह, कोलियारी, अर्जुनी सहित आसपास के करीब 25 से 30 गांव से लोग शहर आएंगे। बता दें कि शाम 6 बजे के बाद सदर में चारपहिया वाहनों के प्रवेश पर पुलिस ने बैन रखा है।

ज्योत-जवारा और देवी प्रतिमाओं का विसर्जन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भैंसबोड़। 9 दिन मां शक्ति की आराधना के बाद दशमी को देवी प्रतिमा, ज्योत और जवारा का विसर्जन किया गया। लोगों ने चौक-चौराहों और घरों के आगे देवी की पूजा कर विदाई दी। युवतियों व महिलाओं ने जवारा के रास्ते जमीन पर लेटकर अपनी श्रद्धा प्रकट की। मान्यता है कि ऐसा करने से माता सभी शारीरिक कष्टों को दूर करती हैं। बांधा तालाब के पारंपरिक घाट पर ही ज्योत, जंवारा और देवी प्रतिमा का विसर्जन किया। इस अवसर पर पुजारी सुरुजभान तारक, जागेश्वर, तोरण साहू, गंगाराम तारक, दशरू यादव, नरसिंग यादव, बिदेशी राम, रोहित साहू, तोरण नागारची, जिनेन्द्र साहू, दौलत राम, मोहेंद्र, केदार, दुलार, सेवकजन दुलरवा राम, हरिश साहू, कुम्भकरण, रविकुमार, बिसहत, बिरसिंग, लीलेश के साथ अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

तीन साल बाद कांकेर रियासत में मनाया गया दशहरा मिलन समारोह, रियासत काल से चली आ रही परम्परा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिला मुख्यालय में स्थित राजमहल में दशहरे के दिन एक अद्भुत परंपरा चली आ रही है। कांकेर राजमहल में रियासत कालीन दशहरा वर्षों से चली आ रहा है। जहां आसपास के सैकड़ों गांव के ग्रामीण देवी-देवताओं के साथ राजमहल पहुंचते है। राजपरिवार द्वारा विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

कांकेर रियासत काल से चल रही परंपरा के अनुसार दशहरा के दिन राज परिवार द्वारा आंगा देव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। जिसके तहत इस वर्ष भी आंगा देव की विशेष पूजा अर्चना राजपरिवार द्वारा किया गया। राजपरिवार के राजा अश्वनी प्रताप देव ने उनकी पूजा अर्चना की और राजमहल में पहुंचे देवी-देवता बाजे के धुन में झूमते रहे। इस अवसर पर देवी-देवताओं के दर्शन करने शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों की तादाद में लोग दर्शन करने राजमहल पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह परंपरा पिछले कई वर्षों से चली आ रही है। उनके पूर्वज भी इसी तरह प्रत्येक दशहरे अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों से आंगा देव को लाया करते थे, जहां राजपरिवार द्वारा उनकी विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। एक अनुमान के अनुसार यह परंपरा दो सौ वर्ष से पहले से चली आ रही परंपरा है। इस प्रकार दशहरा के दिन राजपरिवार द्वारा देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना कर सभी की खुशहाली की कामना की जाती है व देवी-देवताओं से आशीर्वाद लिया जाता है। दशहरा मिलन समारोह की परंपरा रियासत काल से चली आ रही है। रियासत कालीन समय में राजा इस दिन प्रजाजनों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनते थे। समय के साथ परंपरा में बदलती जा रही है। लेकिन आज भी जनता व राज परिवार के बीच के प्रेम में कमी नहीं आई है। जिसके चलते ही आज भी दूर-दराज क्षेत्रों से लोग मिलने के लिए आते रहते हैं।

गांधी मैदान में गरबा की रही धूम

गरियाबंद। भक्ति और उत्साह के पावन पर्व नवरात्रि के अवसर पर नगर के गांधी मैदान में पांच दिवसीय रास गरबा महोत्सव का रंग चढ़ा हुआ है। जबरदस्त लाईटिंग और डीजे की धून में रोजाना माता के दरबार में नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचल से भारी संख्या में लोग रास गरबा खेलने और इसका लुफ्त उठाने पहुॅच रहे है। लोगो को प्रोत्साहित करने समिति के द्वारा पुरस्कृत भी किया जा रहा है जिसने लोगो के उत्साह को दुगुना कर दिया है। बता दे कि गांधी मैदान में सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति तथा नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन के संयुक्त तत्वाधान में रास गरबा का आयोजन किया गया है।

Jaquar Roca Parryware Wow, what a bathroom! AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

नक्सलियों ने ली भाजपा नेता की हत्या की जिम्मेदारीः पर्चा फेंककर दी चेतावनी, कहा- वोट मांगने वालों को मिलेगी ऐसी सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी। छत्तीसगढ़ के मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के सीतागांव-औंधी रोड पर नक्सलियों ने पर्चा फेंककर भाजपा नेता बिरजू तारम की हत्या की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों ने यह चेतावनी भी दी है कि वोट मांगने वालों को बिरजू जैसी सजा मिलेगी। पर्चे में नक्सलियों ने यह भी लिखा है कि बिरजू तारम को मौत की सजा पहले ही दे दी गई थी। बीजेपी व आरएसएस को भगाओ देश बचाओ का नारा भी नक्सलियों ने पर्चे में लिखा है। नक्सली पर्चा मिलने के बाद पुलिस और सतर्क हो गई है। पुलिस ने सर्चिंग तेज कर दी है।

बतादें कि 20 अक्टूबर को प्रदेश के नवगठित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के औंधी क्षेत्र में भाजपा के एक नेता बिरजूराम तारम की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, हथियारों से लैस कुछ लोगों ने घर में घुसकर घटना को अंजाम दिया। नक्सल प्रभावित ग्राम सरखेड़ा में हुई इस हत्या को लेकर नक्सलियों पर संदेह किया जा रहा था।

2009 में भी की थी भाजपा नेता की हत्या

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 में विधानसभा चुनाव के ठीक बाद नक्सलियों ने भाजपा प्रत्याशी रहे दरबार सिंह की निर्मम हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि भाजपा नेता बिरजू तारम का नाम नक्सलियों की हिट लिस्ट में था। पिछले माह पुलिस जबलपुर से एक नक्सली को गिरफ्तार कांकेर लेकर आए थे। उसके तार मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले से जुड़ा था। इसलिए यहां से पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह कांकेर में गिरफ्तार नक्सली से पूछताछ करने गई थी। खबर है कि गिरफ्तार नक्सली के पास से पुलिस ने एक डायरी जब्त किया था, इसमें बिरजुराम तारम का नाम हिट लिस्ट में था। इस मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि यह टारगेट किलिंग है। कार्यकर्ताओं शहादत व्यर्थ नहीं जाने देंगे, गुंडाराज को संरक्षण दे रही सरकार को उखाड़ फेकेंगे। शांति और कानून का राज कायम करेंगे।

नक्सलियों की हिट लिस्ट में थे बिरजू तारम

बिरजू तारम क्षेत्र के एक बड़े हिंदुत्ववादी नेता थे। इस इलाके में मिशनरीज और हिंदुत्वादी संगठनों में काफी समय से विवाद चल रहा है। 1 साल पहले यहां हिन्दू देवी देवताओं की मूर्तियों को कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़ दिया था। जिसे पुलिस ने नक्सल घटना बताया था। बिरजू तारम काफी समय से इन सबके खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। उन्होंने मोहला-मानपुर में कई बार धर्मांतरण रोक बड़े आंदोलन किए। जिसके चलते पुलिस धार्मिक एंगल से भी मामले की जांच कर रही है।

13 साल की बच्ची पर भालू ने किया अटैकः गंभीर हालत में बिलासपुर किया गया रेफर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (ए)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में भालू ने एक 13 वर्षीय बच्ची पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वो गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। बच्ची की एक आंख भी निकल गई है। नाजुक हालत को देखते हुए उसे बिलासपुर रेफर किया गया है।

दरअसल मरवाही की रहने वाली सुनीता पाव अपने परिजनों के साथ धान काटने के लिए खेत गई थी। फसल कटाई के दौरान खेत में छिपकर बैठे भालू ने अचानक अटैक कर दिया। आवाज सुनकर परिवार के बाकी लोगों ने भालू को खदेड़ा दिया।

हालांकि इस हमले में बच्ची के शरीर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई है। एक आंख बाहर निकल गई और काफी खून बह गया। इसकी सूचना डायल 108 को दी गई। इसके बाद उसे मरवाही सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर स्थिति को देखकर बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

बता दें कि मरवाही के रटगा गांव में करीब 6 साल पहले भी एक 14 साल लड़की पर खेत में काम करने के दौरान 2 भालुओं में हमला कर दिया था। तब लड़की ने बहादुरी का परिचय दिया और जमकर भालुओं से मुकाबला किया। जिसके बाद भालू जंगल की ओर भाग गए थे। हालांकि बच्ची के चेहरे पर गंभीर चोट आई थी और अब वो ठीक है। लेकिन चेहरे पर निशान आज भी हैं।

मामूली बातों पर शहर में कई जगह विवाद मारपीट, पुलिस ने दर्ज किए 10 से ज्यादा केस

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में 48 घंटे में छोटी- छोटी बातों पर जमकर मारपीट हुई। कुछ घटनाएं एक-दूसरे पर कमेंट करने को हुई तो कुछ रंजिश में। थानों में मारपीट के 10 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं। टिकरापारा थाना में देवजीत मजूमदार ने पुलिस को बताया कि वो बढ़ई का काम करता है। पास के ही चौरसिया कालोनी का सरफराज नाम का युवक पुराने विवाद को लेकर पहले गाली-गलौज की। फिर जान से मारने की धमकी देते हुए हथौड़ी से कोहनी और घुटने पर वार कर दिया।

धंधा खराब कर रहे हो बोलकर पीटा

उरला थाने में रजत लखोटिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एक कार्गो मूवर्स कंपनी का मालिक है। 23 अक्टूबर की दोपहर के वक्त मो. शाह और रिजवान खान अपने साथियों के साथ कंपनी के सरोरा स्थित ऑफिस में पहुंचा। उसने वहां मौजूद रजत और कुछ अन्य लोगों के साथ पहले गाली-गलौज और मारपीट की।

रे बोलने से मना करने पर हमला

देवेंद्र नगर थाना में वैभव वर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई की वह 23 अक्टूबर की रात करीब 11.30 बजे अपने घर जा रहा था। तभी सिंधी गुरुद्वारा देवेंद्र नगर के पास उसके दोस्त मिल गए। वह उनसे बातचीत करने लगा। तभी बातचीत के दौरान आपस में अबे और रे बोलने पर पारस संगतानी समेत तीन चार युवकों ने मारपीट कर दी। इस घटना में क्षितिज ने हाथ में पहने कड़े से सिर पर मारा जिससे सिर फट गया।

ड्राइवर ने की मारपीट

खमतराई थाना में सागर साहू ने एफआईआर दर्ज कराई कि उसकी लाजिस्टिक्स की कंपनी है। इस ट्रांसपोर्ट ऑफिस में काम छोड़ चुका ड्राइवर रामानुज जायसवाल दोपहर 12 बजे पहुंचा। उसने हिसाब करने के दौरान गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी व बैट से मारपीट की। वहीं कोतवाली व खम्हारडीह क्षेत्र में पावारिक वजहों से विवाद हुआ तो दूसरे मामले में पड़ोसी से विवाद हुआ।

बैंक मैनेजर को जान से मारने की धमकी

सिविल लाइन थाने में रश्मीत सिंह ने एफआईआर दर्ज करवाई है। वह एक निजी बैंक में असिस्टेंट मैनेजर है। मोहल्ले के तंजींदर सिंह बस्सी से उसकी रंजिश है, जिस वजह से रात 12 बजे आरोपित ने गंडासा लेकर घर के सामने खड़े होकर खूब गाली-गलौज की। फिर जान से मारने के लिए हमला किया। हालांकि अन्य लोगों के बीच बचाव के बाद उसे रोका गया।

2 भाइयों को चाकू से वार कर किया लहूलुहान

घर में घुसकर आरोपियों ने किया हमला एक युवक एम्स में भर्ती, 1 गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर में मंगलवार की रात घर में घुसकर दो भाइयों पर कुछ युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। दोनों युवकों के जांघ और पैर पर वार किया गया। जिससे वो बुरी तरह लहूलुहान हो गए। ये हमला पुरानी रंजिश को लेकर किया गया। इस मामले में फिलहाल पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पूरा मामला आमापारा इलाके के पंचपथ चौक का है। जहां राकेश और राजेश निर्मलकर दो भाई अपने परिवार के साथ रहते हैं। उसी मोहल्ले के एक अन्य युवक के साथ इस परिवार की पुरानी रंजिश थी। जिस वजह से इनके बीच पहले भी कई बार झगड़ा हो चुका है।

मंगलवार की शाम पीड़ित का पूरा परिवार घर पर मौजूद था। दशहरा उत्सव होने की वजह से पड़ोस के बहुत से लोग रावण दहन देखने गए हुए थे। गली थोड़ा सुनसान था। इसी बात का आरोपियों ने फायदा उठाया। वे मौका देखकर पीड़ित के घर के अंदर घुस गए। आरोपियों ने घर में घुसकर गाली-गलौज और धक्का-मुक्की चालू कर दी। इसी बीच राकेश और राजेश के साथ उनकी बहस हो रही थी। तभी आरोपियों ने पास रखा चाकू निकालकर पैर और जांघ पर वार कर दिया। जानकारी के मुताबिक इस वक्त घर में पीड़ित के पिता मनोज निर्मलकर उनकी माता फूलनकुंवर भी मौजूद थी।

घटना के बाद पुलिस स्टेशन में मौजूद लोग।

जानकारी के मुताबिक, आरोपियों की पहले भी इन भाइयों के साथ मारपीट हो चुकी है। लेकिन इस बार हुए हमले में दोनों भाई घायल हो गए। जिन्हें एम्स अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया है। फिलहाल इस मामले में आजाद चौक पुलिस ने घटना के बाद फरार हुए, एक आरोपी दुर्गेश पांडे को खोजबीन कर गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा मामले से जुड़े कुछ अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

एक कैमरामैन के साथ भी गाली-गलौच

आजाद चौक थाना क्षेत्र के आश्रम इलाके के शताक्षी मंदिर के पास एक युवक मदन साहू रहता है। पीड़ित मंदिर ट्रस्ट का अध्यक्ष भी है। मंगलवार की देर रात वह वहां से गुजर रहा था। तभी वहां मौजूद नशेड़ी लड़कों ने उसके और उसके परिचित के साथ गाली-गलौज कर दी। जिसकी शिकायत पीड़ितों ने थाने में दी है। हालांकि इस मामले में फिलहाल कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

जांच में अब तक 30 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त, छत्तीसगढ़ में चल रही है लगातार कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने व राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निगरानी दलों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 23 अक्टूबर तक की स्थिति में निगरानी दलों ने 30 करोड़ 52 लाख 32 हजार रुपए की अवैध धन राशि तथा वस्तुएं जब्त की गई है, जिसमें 8 करोड़ 13 लाख 43 हजार रूपए की नगद राशि शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवर्तन एजेंसियों (इन्फोर्समेंट एजेंसीज) द्वारा निगरानी के दौरान 23 अक्टूबर तक 21 हजार 838 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है, जिसकी कीमत 66 लाख 43 हजार 444 रुपए है। साथ ही 2731 किलोग्राम अन्य नशीली वस्तुएं जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ 16 लाख 66 हजार 577 रुपए है भी जब्त किया गया है। सघन जांच अभियान के दौरान 14 करोड़ 25 लाख 14 हजार रुपए कीमत के 158 किलोग्राम से अधिक कीमती आभूषण तथा रत्न भी तलाशी के दौरान जब्त किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य सामग्रियां जिनकी कीमत 5 करोड़ 30 लाख 64 हजार 561 रुपए है भी जब्त की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने विधानसभा निर्वाचन 2023 में कानून व्यवस्था बनाए रखने के आवश्यक कार्यवाही किए जाने के संबंध में सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उक्त जारी निर्देशों के परिपालन में राज्य में विभिन्न प्रवर्तन ऐजेंसी के माध्यम से धन और वस्तुओं की अवैध परिवहन तथा संग्रहण पर कड़ी नजर रखी जा रही है। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत प्रदेश में निगरानी दलों की सघन जाँच की कार्रवाई लगातार जारी है।

एसपी गर्ग ने किया पाटन अनुविभाग के थानों का निरीक्षण, चुनाव ड्यूटी को लेकर दिए निर्देश

पाटन, उतई, रानीतराई व जामगांव आर थाने का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग राम गोपाल गर्ग के द्वारा मंगलवार को पाटन अनुविभाग के थानो का औचक निरीक्षण किया गया। एसपी ने पाटन अनुविभाग में सर्वप्रथम उतई थाना का औचक निरीक्षण किया। जिसमे उतई थाना की विस्तृत जानकारी लेकर, समस्त बल से रूबरू हुए, बल को आगमी विधानसभा चुनाव संबंधी आवश्यक दिशा निर्देशों के पालन करने एवम वीआईपी/ वीवीआईपी ड्यूटी, कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने हेतु मुस्तैदी से कार्य करने के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर निर्देश दिए गए।

उतई थाना का निरीक्षण उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा थाना जामगाव आर का निरीक्षण कर उपस्थित बल से थानों के कार्य के संबंध में जानकारी ली एवम थाना में अपराध रजिस्टर की जानकारी लेकर दर्ज मामले, पेंडिंग मामले में कार्रवाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अन्य अभिलेख आदि जांचने के साथ ही सभी कागजात पूर्ण व व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा थाना रानीतराई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में थाना परिसर स्थित कम्प्यूटर कक्ष, मुंशी कक्ष, हवालात आदि का निरीक्षण कर थाने में साफ-सफाई पर संतुष्टि जाहिर किया एवम उपस्थित बल से वार्तालाप कर विधानसभा चुनाव में अच्छे से कार्य करने के लिए प्रेरित कर, अन्य समस्याएं होने के बारे में चर्चा कर, हाल-चाल जाना।

अंत में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के द्वारा आदर्श थाना पाटन का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण में मानचित्र का अवलोकन कर समस्त गांव एवम सीमावर्ती जिला के संबंध में जानकारी प्राप्त की। थानें का आकस्मिक निरीक्षण के दौरान थाने की साफ-सफाई, शस्त्रागार, मेस, महिला हेल्प डेस्क व कार्यालय इत्यादि को चेक किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाने में दर्ज मुकदमों, घटनाओं आदि के बारे में भी जानकारी लिया। थानों में उपस्थित बल से रूबरू होकर उनसे चर्चा में आगामी विधानसभा चुनाव में सजक रहकर किसी भी प्रकार की सूचना एवम घटना होने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के द्वारा विजय दशमी दशहरा के अवसर पर अधिकारियों व कर्मचारियों सहित आम जनता को शुभकामनाएं दी।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 : सी-विजिल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का तेजी से हो रहा निराकरण

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के सी-विजिल एप (सिटिजन विजिल एप) पर लोगों से प्राप्त हो रही शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की जा रही है। सी विजिल के माध्यम से 23 अक्टूबर तक की स्थिति में प्राप्त कुल 771 शिकायतों में से 761 शिकायतों का निराकरण कर लिया गया है और शेष शिकायतों पर कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आम नागरिकों से आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें सी- विजिल के माध्यम से मिल रही हैं। सी-विजिल पर मिलने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में अलग से नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री रीना बाबासाहेब कंगाले स्वयं प्रतिदिन मिलने वाली शिकायतों पर हुई कार्रवाई की निगरानी कर रही हैं। विधानसभा निर्वाचन - 2023 के दौरान राज्य में आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्मित सी- विजिल एप्लीकेशन को और भी सशक्त बनाया गया है। अब आम नागरिक आचार संहिता उल्लंघन के मामलों की शिकायत लाइव फोटोग्राफ एवं वीडियो के साथ-साथ ऑडियो क्लिप के माध्यम से भी कर सकेंगे। यदि कोई नागरिक राज्य में आचार संहिता उल्लंघन की कोई घटना देखता है तो सी-विजिल एप्लीकेशन का उपयोग करते हुए घटनास्थल की एक फोटो या 2 मिनट की वीडियो या ऑडियो क्लिपिंग बनाकर एप्लीकेशन के माध्यम से शिकायत कर सकता है। शिकायत गुप्त रूप से भी की जा सकती है या एप्प में पंजीकृत होकर भी की जा सकती है।

संजय सोईतकर के नेत्रदान - जैन समाज का एक और नेत्रदान

दुर्ग। दुर्ग आदित्य नगर निवासी संजय सोईतकर जैन (58 वर्ष) के निधन के पश्चात परिवार द्वारा नेत्रदान कर दो लोगों को नेत्रज्योति प्रदान की राज आढ़तिया,कुलवंत भाटिया,राजेश पारख ,रितेश जैन,जितेंद्र कारिया पूरे समय उपस्थित रहे व् नेत्रदान प्रक्रिया सम्पन्न करने में सहयोग किया । संजय सोईतकरकी पत्नी संगीता,पुत्र शुभम,पुत्री दीक्षा एवं समधी सत्येंद्र गोधा की सहमति से नेत्रदान सम्पन्न हुआ। शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की डॉ पुष्पेंद्र लहरे, विशाल उइके ने मध्य रात्रि 2 बजे संजय सोईतकर के निवास पहुँच कर कॉर्निया कलेक्ट किए, डॉ पुष्पेंद्र लहरे ने कहा जल्द ही कॉर्निया दो लोगों को ट्रांसप्लांट कर दिए जाएंगे संजय सोईतकर के पुत्र शुभम ने कहा उनके पिता की मृत्यु के बाद पूरे परिवार में शोक है आज उनकी आँखों से दो लोगों को नेत्र ज्योति मिलेगी एवं उनके परिवार को पिता के नहीं रहने का दुःख तो है किन्तु उनके पिता हमेशा परिवार व् समाज को प्रेरणा देते रहेंगे संजय सोईतकर के समधी सत्येंद्र गोधा ने कहा कि संजय जी बहुत कम उम्र में इस दुनिया से चले गए किन्तु जाते जाते दो परिवारों को नई रौशनी दे गए सत्येंद्र गोधा ने जानकारी दी पूर्व में भी उनके परिवार से 4 लोगों का नेत्रदान हो चूका है और अब नेत्रदान हमारे परिवार की परम्परा बन चुका है।

हर्षोल्लास से मनाया गया दशहरा पर्व: दुर्ग भिलाई में जगह जगह हुआ बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन

खुर्सीपार स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विजय दशमी के मौके पर शहर में जगह-जगह रावण के पुतले का दहन किया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रंगारंग आतिशबाजी के बीच रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी कई कार्यक्रमों में शामिल हुई। सीएम बघेल कुम्हारी, चरोदा व बिजली नगर भिलाई तीन में आयोजित समारोह में पहुंचे। वहीं भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव, पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय सहित विभिन्न जन प्रतिनिधियों ने दशहरा पर्व में शिरकत की।

दशहरा के मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खुर्सीपार स्थिति पंडित दीन दयाल स्टेडियम में आयोजित दशहरा उत्सव में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव भी विशेष रूप से पहुंचे। यहां लगभग 40 फीट ऊंचे रावन के पुतले का दहन किया गया। साथ ही रंगारंग आतिशबाजी लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर कहा कि दशहरा असत्य पर सत्य की जीत का पावन संदेश देने वाला त्यौहार है। भारतीय त्योहारों की विशेषता का उल्लेख करते हुए बताया कि अधिकांश त्यौहार अपने साथ एक नैतिक शिक्षा लेकर आते हैं। दशहरा का यह पर्व सभी को संदेश देता है कि चाहे कुछ भी हो, सत्य की हमेशा विजय होती है। सत्य वास्तव में श्रेष्ठ व्यक्ति की वस्तु है, इसलिए आवश्यक है कि आज की युवा पीढ़ी इसे अपने में आत्मसात करें और अपने जीवन को एक सकारात्मक दिशा दे। भिलाई में बीते कुछ वर्षों से शाही दशहरा की भी धूम है। राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय की भाभी चारुलता पाण्डेय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शहर में काफी चर्चा होती है। भिलाई निवास के सामने मैदान पर आयोजित शाही दशहरा उत्सव देखने इस साल भी दूर-दूर से लोग पहुंचे। भीड़ के कारण यहां आने वाले लोगों के वाहन साइकिल पोलो ग्राउंड से लेकर सड़कों तक खड़े रहे। कार्यक्रम में रावण के पुतले के साथ ही मेघनाथ व कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया गया।

यहां भी भव्य आतिश बाजी का नजारा देखने को मिला। इसके अलावा शहर के बैकुंटधाम, शांतिनगर, हाउसिंग बोर्ड क्रिकेट स्टेडियम, सेक्टर-2, भी दशहरा उत्सव का अयोजन किया गया। सभी जगह रावण के पुतले के दहन से पहले भव्य आतिशबाजी की गई। दशहरा पर्व के साथ ही मेले का भी लोगों ने आनंद लिया। खाने के स्टॉल के साथ ही यहां विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी लगाए गए। कुल मिलाकर भिलाई शहर में दशहरा उत्सव धूम धाम से मनाया गया।

लाल मैदान पावर हाउस में विशाल भंडारा

नेताजी सुभाष दुर्गोत्सव समिति लाल मैदान पावर हाउस में विजय दशमी के मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यहां भंड़ारे के लिए बड़ा टेंट लगाया गया। मातरानी को भोग लगाने के बाद दोपहर एक बजे भंडारा शुरू हुआ जो देर शाम तक जारी रहा। भंडारे में यहां 1500 किलो चावल, 3000 किलो सब्जी व 600 किलो बूंदी प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। समिति की ओर से बताया गया कि भंड़ारे में 25 हजार से भी ज्यादा लोगों ने मातारानी का प्रसाद ग्रहण किया। समिति की ओर से लोगों को बैठाकर भोजन कराया गया। इस दौरान समिति के सैकड़ों कार्यकर्ता सेवा में लगे रहे। 25 अक्टूकर की शाम को मातारानी की विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी। विसर्जन यात्रा में भूत, पिशाच, देवगण शामिल होंगे। भक्तिगीतों के साथ मातारानी की यात्रा निकाली जाएगी।

दुर्गा विसर्जन पश्चात, शिवनाथ नदी तट व तालाबों की सफाई में जुटा नगर निगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश के बाद स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग अमला टीम द्वारा दुर्गा पूजा के समापन के साथ ही प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद नगर निगम शिवनाथ नदी तट व तालाबो की सफाई में जुट गया है। मंगलवार को सुबह से ही शिवनाथ नदी घाट समेत शहर के सभी तालाबो पर सफाई अभियान की शुरुआत नगर निगम की ओर से की गई। शहर क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमाओं का संरचनाओं को निकाला गया। देर रात तक शिवनाथ तट पर इन प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। कुछ प्रतिमाओं का विसर्जन तालाबों पर भी किया गया है।

विशेष तौर पर नदी तट और तालाबो पर नगर निगम द्वारा सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए शिवनदी तट में सफाई किया जा रहा है,जिससे प्रतिमाओं की संरचनाओं को निकाला जा रहा है। इसके अलावा फूल, कपड़ा, प्लास्टिक, जिनका विसर्जन प्रतिमाओं के साथ किया गया है, उन्हें भी निकाला जा रहा है। नगर निगम की ओर से बताया गया कि शिव नदी एवं सभी तालाबो की सफाई का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने कहा कि शिवनाथ नदी तट और शहर के तालाबो से कचरा हटाने का कार्य एक दर्जन सफाई कर्मचारियों को सौंपा गया है। यह प्रक्रिया इस सप्ताह के अंत तक जारी रहेगी।

सिंटर प्लांट और प्लेट मिल ने दैनिक उत्पादन में बनाया नया रिकार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात सयंत्र के सिंटर प्लांट और प्लेट मिल ने दैनिक उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्षन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सिंटर प्लांट ने 22 अक्टूबर 2023 को सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया। सिंटर प्लांट टीम ने 27049 टन सिंटर के उत्पादन के साथ, अपने 11 मार्च 2021 के 27017 टन सिंटर उत्पादन के विगत सर्वश्रेष्ठ आंकड़े को पीछे छोड़ दिया।

सिंटर प्लांट -3 से 17525 टन सिंटर और सिंटर प्लांट -2 से 9524 टन सिंटर का उत्पादन कर टीम ने अपने प्रयासों से सिंटर निर्माण में गौरव बढ़ाया है। जिसे सिंटर प्लांट बिरादरी आगामी दिनों में बनाए रखने का प्रयास करेगी। सिंटर प्लांट टीम बिरादरी और सभी सहयोगी विभागों के सहयोग से यह उपलब्धि हासिल हो पायी है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-24 की प्रथम छिमाही अप्रेल से सितम्बर के दौरान भी सिंटर प्लांट ने 29,87,719 टन सिंटर का उत्पादन दर्ज किया था। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का प्लेट मिल विभाग बाजार में प्लेट की बढ़ती मांग को देखते हुए आपूर्ति पर जोर दे रही है। इसी का परिणाम है कि 21 अक्टूबर को 6562 टन का सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन कर रिकॉर्ड दर्ज किया है। ज्ञात हो कि प्लेट मिल ने विगत 21 अक्टूबर को प्रथम पाली में 422 स्लैब रोलिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की थी। त्यौहारों के बीच भी अपनी कर्मठ टीम की मदद से एक ही शिफ्ट में 400 से अधिक स्लैब रोलिंग करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्लेट मिल बिरादरी ने बेहतर प्लानिंग और अपनी तालमेल से, प्रथम पाली में 422 स्लैब की सफलतापूर्वक रोलिंग की है। इस रोलिंग के साथ, पिछले वर्ष द्वीतीय पाली में बनाये 355 स्लैब 03 अक्टूबर 2022 के अपने ही रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही अपने 373 फिनिश्ड प्लेटों के पुराने कीर्तिमान को ध्वस्त करते हुये, 502 प्लेटों की फिनिशिंग का रिकॉर्ड दर्ज कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिसमें पाली का सर्वोच्च उत्पादन 2613 टन रहा। प्लेट मिल ने अपने इतिहास में पहली बार एक ही पाली में 400 का आंकड़ा पार कर लिया है। इस उपलब्धि पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता एवं कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार ने सम्बंधित विभागों एवं कार्मिकों को बधाई दी।

SINTER MAKING IN SINTER PLANT

विराट नगर में हुआ विराट हवन पूजन, जन जागरण दुर्गोत्सव समिति ने कराया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नवरात्र पर्व के अवसर पर विराटनगर बोरसी में जन जागरण दुर्गोत्सव समिति द्वारा 15 से 24 अक्टूबर तक नवरात्रि पर का आयोजन किया गया जिसमें देवी स्थापना की गई एवं 9 दिनों तक भक्ति संध्या पंडवानी ,नृत्य प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ी प्रारंभिक लोक नृत्य ,गरबा प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ ।

शारदीय नवरात्रि पर्व के अष्टमी तिथि रविवार को पूर्णाहुति हवन पूजन कन्या पूजन एवं महा भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने पूजन कर माता का महाप्रसाद ग्रहण किया । जन जागरण समिति के महासचिव महावीर साहू ने बताया कि यह आयोजन तीसरे वर्ष किया गया है एवं प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। शुभ मुहूर्त पर यज्ञ के साथ पूर्ण आहूति और महाआरती हुआ तदुपरांत प्रसाद का वितरण किया गया।

महाष्टमी पर माता की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिए वहीं कई श्रद्धालुओं ने महा अष्टमी पर्व पर प्रसाद चढ़ाया गया। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के द्वारा माता के सिंगार के विभिन्न सामग्री सहित श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिए।

यह सिलसिला पूरे नॉ दिनों तक चलता रहा। इसी बीच शुभ मुहूर्त में आचार्य के सानिध्य पर माता की पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्रों के साथ माता की विशेष पूजा किया गया। तदुपरांत हवन हुआ और पूर्णाहुति के बाद महा आरती की गई। इस नौ दिनों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले जस गीत समिति, मंडली द्वारा भक्ति भाव और बाजे गाजे के साथ जस गीत भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं की उपस्थिति बनी रहे। विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर हवन पूजन किया गया जिसका विसर्जन 24 अक्टूबर दशहरा के दिन सुबह गाजे-बाजे के साथ किया जाएगा। समिति के सभी सदस्य निःस्वार्थ भाव से जनजागरण दुर्गोत्सव समिति बोरसी कॉलोनी के सदस्य गण माता की सेवा की एवं आयोजन को सफल बनाया जिनमें संरक्षक एडी टंडन, पोषण लाल साहू, कृष्णा कुमार पाटिल, सलाहकार वेद व्यास बघेल, शंकर लाल यादव, आशीष ठाकुर, लालजी यादव, अध्यक्ष किशोर शर्मा, उपाध्यक्ष डीएस ठाकुर, सुरेश कुमार साहू, खिलू राम साहू, श्रीमती हेमलता साहू महिला कोषाध्यक्ष राकेश साहू, सहकोषाध्यक्ष संजय अशटकर, सचिव महावीर साहू, सहसचिव खिलेश साहू, सांस्कृतिक सचिव शशी कुमार साहू, सांस्कृतिक सहसचिव विजय यादव, सांस्कृतिक सचिव महिला श्रीमती वर्षा साहू, सांस्कृतिक सहसचिव महिला श्रीमती गायत्री हिरवानी, युवा प्रकोष्ठ सचिव, डीआर सिन्हा, युवा प्रकोष्ठ सहसचिव विनोद साहू युवा प्रकोष्ठ, मनेंद्र साहू, भोज लाल हिरवानी जी प्रवीण यादव, बलराम यादव, शैलेश देवांगन, निखिल साहू, विनय गजपाल, राहुल साहू, मीडिया प्रभारी अभिषेक साहू, विजय गौतम, क्षेत्रीय प्रतिनिधि विराट नगर ओमप्रकाश तितरमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधि मधुबन नगर पूर्णा नंद साहू क्षेत्रीय प्रतिनिधि सुंदर नगर कंश राम साहू, नरेंद्र साहू सहित सभी कालोनी वासी सम्मिलित थे।

बीसीए के सदस्यों ने दी पूर्व भारतीय कप्तान बिसन सिंह को श्रद्धांजलि

भिलाई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं बाएं हाथ के स्पिनर बिशन सिंह बेदी को अंचल के क्रिकेट खिलाड़ियों ने श्रद्धांजलि दी है। कल्याण कॉलेज ग्राउंड में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी ने एक शोक सभा आयोजित की। इसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर राजेश चौहान ने कहा कि उनके निधन को अत्यंत दुखद और क्रिकेट जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। शोक सभा में बीसीए के सेक्रेटरी योगेश शाह, के. राजगोपालन, सुनील त्रिवेदी, टीआर वेंकटरमन, निर्मल कुमार सहित बीसीए के खिलाड़ी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950